घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 85- शनिवार 24- जनवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

केरल में भाजपा सरकार की नींव पड़ गई,जैसे 1987 में अहमदाबाद के बाद गुजरात जीता : पीएम मोदी

तिरुवनंतपुरम,23 जनवरी 2026। पीएम मोदी ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में 55 मिनट की स्पीच में कहा,'केरल में मुझे नई उम्मीद दिख रही है। आपका जोश यह विश्वास दिलाता है कि अब केरल में बदलाव होकर रहेगा। यहां लेफ्टिस्ट इको सिस्टम को मेरी बात गले नहीं उतरेगी। लेकिन मैं आपको मजबूती के साथ तर्क और तथ्य के साथ बताउंगा।' उन्होंने कहा, '1987 के पहले गुजरात में बीजेपी एक हाशिए की पार्टी थी। 1987 में पहली बार अहमदाबाद में नगर निगम में जीत हासिल की,वैसे ही आज बीजेपी ने तिरुवनंतपुरम में हासिल की। यहां से केरल में भाजपा की नींव पड़ गई है।' केरल में इसी साल अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव होने हैं। पीएम ने कहा,'बीजेपी की सरकार गरीब का जीवन बेहतर बनाने में जुटी है। इसका एक और उदाहरण रेहड़ी पटरी वाले हमारे भाई बहन हैं इनके लिए पीएम स्वनिधि योजना बनाई। केंद्र सरकार ने अब एक और बड़ा कदम उठाया है। स्ट्रीट वेंडर्स को बीजेपी सरकार स्वनिधि क्रेडिट कार्ड देगी। 2014 से पहले दिल्ली में 10 साल तक लेफ्ट के समर्थन से कांग्रेस की सरकार चलती थी। उस दौरान केरल के किसानों के लिए न लेफ्ट ने कुछ किया न कांग्रेस ने किया। दिल्ली में सरकार में बैठे थे,लेकिन कुछ नहीं किया। किसान के हित का पैसा नेताओं की जेब में पहुंच जाता था। हमने पीएम किसान निधि शुरु की। एलडीएफ, यूडीएफ के लोग चाहकर भी इस पैसों का लूट नहीं सकते।

पीएम ने कहा-एलडीएफ, यूडीएफ, दोनों ने केरल को तबाह किया : पीएम ने कहा- आने वाले चुनाव केरल की दशा और दिशा बदलने का चुनाव है। जब केरल के भविष्य की बात आती है तो आपने अब तक दो पक्ष ही देखें हैं। एक तरफ एलडीएफ दूसरी तरफ यूडीएफ, दोनों ने केरल को तबाह किया है। तीसरा पक्ष डेवलेपमेंट का है, गुड गवर्नेंस का है, बीजेपी एनडीए का है। एलडीएफ, यूडीएफ के लोगों ने केरल को करप्शन और कुशासन की राजनीति में झोंक दिया है।

एलडीएफ,यूडीएफ के झंडे अलग हैं सिंबल अलग है, लेकिन पॉलिटक्स और एजेंडा एक है। झंडा अलग लेकिन एजेंडा एक है। एलडीएफ, यूडीएफ को पता है 10 साल बाद उन्हें ही मौका मिलता है, इसलिए सरकार बदलती है, लेकिन सिस्टम वही रहता है। अब आपको केरल के प्रो पीपल और प्रो डेवलेपमेंट सरकार बनानी है। यह काम बीजेपी और एनडीए ही कर सकता है।

मोदी ने कहा...गरीब विरोधी सरकार को सबक सिखाना होगा...

पीएम ने कहा...'बीजेपी स्टेट के विकास से देश के विकास का मंत्र लेकर चलती है,इसलिए हम केरल के विकास को प्राथमिकता देते हैं लेकिन एलडीएफ,यूडीएफ यहां के विकास की दुश्मन है। वे केंद्र सरकार की योजनाओं को रोकते हैं। यहां हर घर तक नल पहुंचाने की स्कीम में देरी की जा रही है। एलडीएफ सरकार नहीं चाहती कि गरीबों के बच्चे आधुनिक स्कूलों में पढ़ाई करें। यहां की राज्य सरकार बच्चों को योजनाओं से दूर रखे हुए है। गरीब विरोधी एलडीएफ सरकार को सबक सिखाना जरूरी है।'

पीएम ने कहा...केरल में परिवर्तन लाना होगा होगा...

पीएम ने कहा...त्रिपुरा में 30 सालों से लेफ्ट की सरकार थी बाद में तंग आकर जनता ने बीजेपी को मौका दिया। वहां दोबारा बीजेपी की सरकार चल रही है। वहां लेफ्ट का नामोनिशान नहीं बचा है। कारण यह है कि मिलिभगत खत्म हो गई। बंगाल देखिए 35 साल तक लेफ्ट ने राज किया। सरकार बदली, परिणाम यह है कि आज उनको चुनाव लड़ने के उम्मीदवार नहीं मिलते। लेकिन केरल में यहां एलडीएफ यूडीएफ की मिलिभगत चलती है, अब इनकी जोड़ी को तोड़ना ही होगा। परिवर्तन लाना होगा।

पीएम में कहा- 25 सालों में केरल को विकसित बनना है...

पीएम ने कहा, 'मैं आपको कांग्रेस से भी सावधान करने आया हूं। कांग्रेस के पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है। कांग्रेस आज माआवादियों से ज्यादा कम्यूनिस्ट और मुस्लिम लीग से ज्यादा कम्यूनल हो गई है। इसलिए कांग्रेस को आज एमएमसी यानी मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस कहा जा रहा है। इनसे आपको सतर्क रहना है। ये केरल को अपनी लैब बना रहे हैं। कांग्रेस यहां कट्टरपंथ को बढ़ावा दे रही है। आस्था की पवित्र धरती को मुस्लिम लीग के एजेंडे से बचाना है। विकसित केरल के लिए बड़े फैसले का समय आ गया है। केरल को नई पॉलिटिक्स चाहिए। 21सेंचुरी के पहले 25 साल तो चले गए, अगले 25 सालों में केरल को विकसित बनाने में बीजेपी को बहुमत चाहिए। केरल के लोगों से कहना चाहूंगा कि यही समय है सही समय है।

मोदी ने कहा...जनता का पैसा लूटने वालों को सजा देनी होगी...

पीएम ने कहा, 'किसी ने पढ़ाई तो किसी ने बिटिया की शादी के लिए पैसा रखा था वो भी कांग्रेस और लेफ्ट ने लूट लिया। ऐसे लोगों को कड़ी सजा देना जरूरी है। आप बीजेपी को मौका दीजिए जिसने आपको लूटा उनसे एक-एक पैसा वसूल किया जाएगा। भगवान अयप्पा का यह प्रतीक पूरे देश के लोगों की हम सब की आस्था है। लेकिन एलडीएफ सरकार ने सबरीमाला मंदिर को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। यहां सोने की चोरी की खबरें आ रही हैं। भगवान के पास से सोने की चोरी, यहां बीजेपी की सरकार बनते ही आरोपों की पूरी जांच होगी, दोषियों की जगह जेल में होगी। ये मोदी की गारंटी है।'

5 दिन से धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की बिगड़ी तबीयत

5 घंटे बाद वैनिटी वैन से बाहर आए,वसंत पंचमी पर संगम स्नान नहीं किया

प्रयागराज,23 जनवरी 2026। प्रयागराज माघ मेले में 5 दिन से धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें तेज बुखार है। शिष्यों ने बताया, अविमुक्तेश्वरानंद सुबह 10 बजे वैनिटी वैन में चले गए। डॉक्टरों के कहने पर दवा खाई, आराम किया। वसंत पंचमी के चलते बड़ी संख्या में शिष्य शंकराचार्य का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे थे। हालांकि, जब उनको पता चला कि अविमुक्तेश्वरानंद वैनिटी वैन से बाहर नहीं आए तो वैन के बाहर भीड़ लग गई। करीब 5 घंटे बाद शंकराचार्य वैनिटी वैन से बाहर आए और पालकी पर बैठ गए हैं। इधर, माघ मेला प्रशासन से शंकराचार्य विवाद पर उनका टकराव खत्म खत्म नहीं हो रहा है। वसंत पंचमी पर उन्होंने संगम स्नान भी नहीं किया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कल भास्कर से कहा था- जब तक प्रशासन माफी नहीं मांगता, तब तक मैं स्नान नहीं करूंगा। प्रशासन नोटिस-नोटिस खेल रहा है। अभी मेरा मौनी अमावस्या का स्नान नहीं हुआ है, तो मैं वसंत का

स्नान कैसे कर लूं? हालांकि,दो नोटिस भेजने के बाद से प्रशासनिक अफसर इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हैं। अविमुक्तेश्वरानंद माघ मेले में सवा लाख मिट्टी के शिवलिंग स्थापित करने के लिए लेकर आए थे। हालांकि, मौनी अमावस्या को हुए विवाद के बाद वह स्थापित नहीं कर पाए हैं। इससे पहले,गुरुवार को सीएम योगी ने अविमुक्तेश्वरानंद का नाम लिए बिना कहा था कि किसी को परंपरा बाधित करने का हक नहीं। ऐसे तमाम कालनेमि हैं,जो धर्म की आड़ में सनातन धर्म को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं।

प्रयागराज...बसंत पंचमी पर उमड़ा आस्था का सैलाब,करोड़ो लोगों ने लगाई डुबकी

प्रयागराज, 23 जनवरी 2026। प्रयागराज के पावन त्रिवेणी संगम तट पर माघ मेला 2026 के अंतर्गत बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर चौथा पवित्र स्नान पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ जारी है। कड़ाके की ठंड के बावजूद संगम के सभी घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के विभिन्न कोनों से पहुंचे भक्त संगम में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बसंत पंचमी के पावन अवसर पर दोपहर 12 बजे तक करीब 2 करोड़ 10 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में स्नान किया। ठंड और कोहरे के बीच भी श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं दिखी और संगम तट 'हर-हर गंगे' के जयघोष से गूंजता रहा।

मुख्यमंत्री योगी ने दी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं...

बसंत पंचमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पवित्र स्नान करने वाले श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तीर्थराज प्रयाग में त्रिवेणी संगम में पुण्य स्नान का सौभाग्य प्राप्त कर रहे सभी श्रद्धालुओं के लिए यह आस्था की डुबकी शुभ और फलदायी हो। मुख्यमंत्री ने मां गंगा से सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होने की प्रार्थना भी की।

पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने संगम में डुबकी लगाई

पुरी पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती संगम स्नान के लिए पहुंचे। बड़ी संख्या में शिष्यों और साधु संतों के साथ वह संगम नोज तक कार से आए। इसके बाद शिष्य उन्हें व्हील चेयर पर बैठाकर संगम तक ले गए। घंटा घड़ियाल की गूंज और गंगा मैया के जयकारों के बीच उन्होंने डुबकी लगाई।

पौष पूर्णिमा से शुरू हुआ माघ मेला

गौरतलब है कि प्रयागराज में माघ मेले की शुरुआत 3 जनवरी को पौष पूर्णिमा स्नान के साथ हुई थी। इसके बाद से कल्पवास की परंपरा निभाते हुए लाखों श्रद्धालु संगम तट पर निवास कर नियमित रूप से स्नान और पूजा-पाठ कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में जैश का आतंकी ढेर...बिलावर इलाके में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी

कठुआ,23 जनवरी 2026। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में शुक्रवार शाम सुरक्षाबलों ने पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी को मार गिराया। आईजीपी जम्मू ने आतंकी के मारे जाने की पुष्टि की है। सूत्रों के मुताबिक मारे गए

आतंकी नाम उस्मान है। अभी आधिकारिक पुष्टि होना जारी है। सुरक्षाबलों की मुठभेड़ आतंकियों के ग्रुप से हुई है। बिलावर इलाके में अभी भी एनकाउंटर जारी है। पिछले हफ्ते सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने बिलावर इलाके में आतंकियों के 3 ठिकानों का भंडाफोड़ किया था। मौके से कई चीजें बरामद की गईं थीं। इससे पहले 7 जनवरी और 13 जनवरी को भी बिलावर इलाके के ही कहोग और नजोत जंगलों में सुरक्षाबलों और आतंकियों की मुठभेड़ हुई थीं।

एसआईआर इतना सख्त कि नेताजी जीवित होते तो उन्हें भी नोटिस मिलता : ममता बनर्जी

कोलकाता,23 जनवरी 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण इतना सख्त हो गया है कि यदि

नेताजी सुभाष चंद्र बोस आज जीवित होते तो उन्हें भी सुनवाई के लिए नोटिस भेज दिया जाता। ममता बनर्जी कोलकाता के रेड रोड पर नेताजी की 129वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियों के नाम पर सुनवाई के नोटिस अंधाधुंध तरीके से जारी किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें पूरा संदेह है कि नेताजी जीवित होते तो उन्हें भी सुनवाई के लिए बुलाया जाता, और यह भी याद दिलाया कि पहले ही नेताजी के परपोते को नोटिस भेजा जा चुका है। मुख्यमंत्री ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भारत के इतिहास को तोड़ मरोड़ कर पेश करने और नेताजी के योगदान को कमतर आंकने का आरोप भी लगाया।

जनगणना 2027 की तैयारी हुई तेज...पहले चरण में 33 सवालों से गुजरना पड़ेगा!

नई दिल्ली, 23 जनवरी 2026। केंद्र सरकार ने जनगणना 2027 की तैयारी तेज कर दी है। गुरुवार को गृह मंत्रालय ने पहले चरण (हाउस लिस्टिंग और हाउसिंग सेंसस) के लिए अधिसूचना जारी की, जिसमें कुल 33 सवाल शामिल हैं। ये सवाल मुख्य रूप से मकान की स्थिति, परिवार की बुनियादी जानकारी, सुविधाओं और संपत्ति से जुड़े हैं। परिवार के मुखिया को ये विवरण देने होंगे। पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी और मोबाइल नंबर केवल जनगणना संबंधी सूचनाओं के लिए लिया जाएगा।

जनगणना का पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से 30 सितंबर 2026 के बीच चलेगा। प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को अपने क्षेत्र में 30 दिनों की समयसीमा में यह काम पूरा करना होगा। घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को सेल्फ एन्यूमरेशन (खुद

जानकारी भरने) का विकल्प भी मिलेगा। केंद्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद जनगणना 2027 को औपचारिक रूप दिया है। यह जनगणना दो चरणों में होगी। पहला चरण हाउस लिस्टिंग पर फोकस करेगा, जहां घरों की संख्या, उनकी संरचना और बुनियादी सुविधाओं का आकलन होगा। दूसरा चरण 2027 में जनसंख्या गणना और जाति जनगणना पर आधारित होगा, जिसकी प्रश्नावली बाद में जारी होगी। गुरुवार को जारी अधिसूचना में रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने स्पष्ट किया कि गणना अधिकारी इन 33 बिंदुओं पर जानकारी इकट्ठा करेंगे। इनमें शामिल हैं:

- भवन और जनगणना मकान नंबर
- मकान के फर्श, दीवार और छत की प्रमुख सामग्री
- मकान की स्थिति (कच्चा/पक्का) और उपयोग (रहने/दुकान आदि)
- मकान का मालिकाना हक (स्वयं का/किराए का)
- परिवार में कुल सदस्यों की संख्या और मुखिया का लिंग
- क्या मुखिया अनुसूचित जाति/जनजाति से है
- कमरों की संख्या और शादीशुदा जोड़ों की संख्या
- पीने के पानी का मुख्य स्रोत और उपलब्धता
- बिजली/लाइटिंग का मुख्य स्रोत
- शौचालय की उपलब्धता और प्रकार
- स्नानघर, रसोई और एलपीजी/पीएनजी कनेक्शन
- खाना पकाने का मुख्य ईंधन
- रेडियो/ट्रांजिस्टर, टीवी, इंटरनेट, लैपटॉप/कंप्यूटर, टेलीफोन/मोबाइल/स्मार्टफोन
- साइकिल, स्कूटर/मोटरसाइकिल, कार/जीप/वैन
- परिवार द्वारा मुख्य रूप से उपभोग किया जाने वाला अनाज
- मोबाइल नंबर (केवल जनगणना संबंधी सूचनाओं के लिए)

ये सवाल घरेलू सुविधाओं, आर्थिक स्थिति और जीवन स्तर को समझने में मदद करेंगे। सरकार का कहना है कि मोबाइल नंबर का दुरुपयोग नहीं होगा और यह केवल जनगणना से जुड़ी अपडेट्स के लिए इस्तेमाल होगा।यह जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी, जो पहले की तुलना में तेज और पारदर्शी बनेगी। कोविड-19 के कारण 2021 की जनगणना स्थगित हो गई थी, अब 2027 में यह होने जा रही है।

शशि थरूर केरल कांग्रेस की बैठक में शामिल नहीं होंगे

दावा- राहुल गांधी से नाराज,19 जनवरी को राहुल ने कोच्चि में नाम नहीं लिया

नई दिल्ली,23 जनवरी 2026। सीनियर कांग्रेस लीडर और तिरुवनंतपुरम से सांसद शशि थरूर शुक्रवार को केरल विधानसभा चुनावों को लेकर होने वाली पार्टी की अहम रणनीतिक बैठक में शामिल नहीं होंगे। सूत्रों के मुताबिक थरूर हालिया घटनाक्रम से नाराज हैं। खासकर कोच्चि में हुए उस कार्यक्रम से जिसमें राहुल गांधी ने उनका नाम नहीं लिया था। पीटीआई सूत्रों का कहना है कि 19 जनवरी को कोच्चि में आयोजित महापंचायत कार्यक्रम के दौरान राहुल गांधी ने मंच पर मौजूद कई वरिष्ठ नेताओं का नाम लिया

लेकिन शशि थरूर को नजरअंदाज कर दिया था। थरूर के करीबी सूत्रों के मुताबिक यह घटना उनके लिए टिपिंग पॉइंट साबित हुई। इससे पहले भी राज्य के कुछ नेता उन्हें नजरअंदाज करने की कोशिश कर चुके हैं,जिससे वह असहज महसूस कर रहे थे। इस मामले पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि केरल कांग्रेस के सभी बड़े नेता मीटिंग में आ रहे हैं। जो कांग्रेस के किसी काम के नहीं हैं और बड़े नेता नहीं हैं वे आएं या न आएं कोई फर्क नहीं पड़ता।

थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल हुए

इस मामले पर थरूर के ऑफिस से कहा गया की ओर से कहा गया है कि वे केरल लिटरेचर फेस्टिवल के सिलसिले में कोझिकोड में पहले से तय कार्यक्रमों के कारण बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे और इसकी जानकारी पार्टी को दे दी गई है।

बद्रीनाथ धाम के कपाट 23 अप्रैल को खुलेंगे

नई दिल्ली,23 जनवरी 2026। उत्तराखंड के प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट इस वर्ष 23 अप्रैल, गुरुवार को सुबह 6:15 बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ के लिए खोले जाएंगे। वहीं गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा मंगलवार 7 अप्रैल से प्रारंभ होगी। कपाट खुलने की तिथि का विधिवत निर्धारण आज वसंत पंचमी के अवसर पर नरेंद्र नगर (टिहरी) स्थित राजमहल में किया गया। पूर्व निर्धारित परंपरा के अनुसार शुक्रवार को टिहरी राज दरबार में आयोजित एक धार्मिक समारोह में महाराजा मनुजयेंद्र शाह की उपस्थिति में पूजा-अर्चना एवं पंचांग गणना के पश्चात राजपुरोहित आचार्य कृष्ण प्रसाद

उनियाल ने विधि-विधान से बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि घोषित की। इसी के साथ गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा की तिथि भी तय की गई। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि कपाट खुलने की तिथि तय होते ही आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

संपादकीय

बैर बढ़ाता बांग्लादेश

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को इसके लिए खूब उकसाया कि वह भारत में खेलने से मना करे। अच्छा हो कि बांग्लादेश को यह समझ आ जाए कि यदि वह अपनी टीम भारत न भेजने के फैसले पर अड़ा रहा तो आइसीसी के पास उसकी जगह स्काटलैंड को शामिल करने के अलावा और कोई उपाय नहीं रहेगा...

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम भारत न भेजने का फैसला कर खुद को न केवल टी-20 विश्व कप से बाहर होने की कगार पर खड़ा कर लिया, बल्कि भारत के प्रति अपने अंधविरोध को भी प्रकट कर दिया। अपनी टीम को भारत न भेजने का फैसला जिस तरह वहां की अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार ने सुनाया,उससे यही स्पष्ट होता है कि सरकार ने ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को इसके लिए विवश किया कि वह खेल भावना का परिचय देने के स्थान पर भारत विरोधी भावनाएं भड़काने वाले काम करे।

अब इसमें भी कोई संदेह नहीं रह जाता कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की कमान संभाले मोहम्मद यूनुस और उनके सहयोगी यही चाह रहे हैं कि चुनाव के मौके पर बांग्लादेश में भारत विरोधी माहौल बना रहे। इससे यही संकेत मिलता है कि यदि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में शामिल तत्व चुनाव बाद बनने वाली सरकार में आए तो वे भारत विरोध की राह पर चलते रहेंगे।

इससे भारत की चुनौती बढ़ सकती है। अभी भी चुनौतियां कम नहीं हैं, क्योंकि वहां न केवल भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने का काम जारी है, बल्कि हिंदुओं की हत्याओं का सिलसिला भी कायम है। यह भी साफ ही है कि इन हत्याओं पर बांग्लादेश सरकार तनिक भी संवेदनशील नहीं।

बांग्लादेश ने भारत में अपनी टीम न भेजने का फैसला इस बहाने लिया कि आइपीएल की टीम केकेआर ने उसके क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दिया। अच्छा होता कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इसकी नौबत नहीं आने देता और आइपीएल की नीलामी में बांग्लादेशी क्रिकेटरों को शामिल ही नहीं करता। मुस्तफिजुर को केकेआर से अलग करने के फैसले को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत विरोध का जरिया बना लिया।

इसमें वहां की सरकार भी शामिल हो गई और वह भी तब जब उसके क्रिकेटर टी-20 विश्व कप में शामिल होने के इच्छुक थे। दुर्भाग्य से ऐसी इच्छा प्रकट करने वालों को भारत का एजेंट कहकर लांछित किया गया और यह भुला दिया गया कि यदि उसकी टीम टी-20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लेती तो इसके दुष्परिणाम उसके क्रिकेटरों को ही भोगने पड़ेंगे। वे अंतराष्ट्रीय स्तर के प्रतिस्पर्धी माहौल के साथ आर्थिक लाभ से भी वंचित होंगे।

आर्थिक हानि उसके क्रिकेट बोर्ड को भी उठानी पड़ेगी। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बहकावे में आ गया। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को इसके लिए खूब उकसाया कि वह भारत में खेलने से मना करे। अच्छा हो कि बांग्लादेश को यह समझ आ जाए कि यदि वह अपनी टीम भारत न भेजने के फैसले पर अड़ा रहा तो आइसीसी के पास उसकी जगह स्काटलैंड को शामिल करने के अलावा और कोई उपाय नहीं रहेगा।

जब समाज बदलेगा,तभी निडर होंगी बालिकाएं

योगेश कुमार गोयल
गोपाल नगर,नजफगढ़,नई दिल्ली

बेटियों के सम्मान से ही संभव है राष्ट्र का उत्थान

हर साल 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस'मनाया जाता है, जो केवल एक दिवस मात्र नहीं है बल्कि भारतीय समाज के आत्ममंथन और उत्तरदायित्व बोध का दिवस है। यह वह अवसर है,जब हम यह सोचने को विवश होते हैं कि क्या हमारी बेटियां वास्तव में सुरक्षित हैं,क्या उन्हें समान अवसर मिल रहे हैं और क्या समाज ने उन्हें बोझ नहीं बल्कि संभावना के रूप में स्वीकार किया है? बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने,उनके साथ होने वाले भेदभाव और हिंसा के विरुद्ध सामूहिक चेतना विकसित करने तथा उनके सम्मान,सुरक्षा और सशक्तिकरण को राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बनाने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है। जब तक देश की बालिकाएं सशक्त नहीं होंगी,तब तक न तो समाज संतुलित हो सकता है और न ही राष्ट्र प्रगति के शिखर को छू सकता है।

एक समय था,जब भारतीय समाज में बेटी का जन्म चिंता का विषय माना जाता था। पुत्र मोह,सामाजिक कुरीतियां, दहेज जैसी अमानवीय परंपराएं और आर्थिक असुरक्षा की मानसिकता ने बेटियों को कोख में ही मार देने जैसी जघन्य प्रवृत्तियों को जन्म दिया। कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह लंबे समय तक सामाजिक स्वीकृति के साथ फलते-फूलते रहे, जिसके दुष्परिणाम स्वरूप देश का लिंगानुपात बुरी तरह बिगड़ गया। हालांकि आजादी के बाद से ही सामाजिक चेतना,कानूनों और सरकारी हस्तक्षेपों के माध्यम से इस सोच को बदलने के प्रयास हुए लेकिन यह सच है कि मानसिकता में बदलाव सबसे कठिन प्रक्रिया होती है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने का निर्णय वर्ष 2008 में भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा लिया गया था और पहली बार 24 जनवरी 2009 को यह दिवस मनाया गया था। यह दिवस मनाए जाने की शुरूआत करने का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा और अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस सामाजिक संकल्प को मजबूती देना था। यूनिसेफ स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रत्येक बालिका को सुरक्षित,स्वस्थ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से युक्त बचपन का अधिकार है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार किसी भी देश की जनसांख्यिकीय और आर्थिक स्थिरता का सीधा संबंध वहां की महिलाओं और बालिकाओं की स्थिति से जुड़ा होता है।

भारत में बीते दो दशकों में बालिकाओं की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान,समग्र शिक्षा अभियान, किशोरी शक्ति योजना, सुकन्या समृद्धि योजना,प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार, उच्च शिक्षा में आरक्षण और सैन्य सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी जैसे कदमों ने बालिकाओं के लिए नए द्वार खोले हैं। आज बालिकाएं शिक्षा,विज्ञान, खेल,प्रशासन,राजनीति,रक्षा,अंतरिक्ष और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में न केवल भागीदारी निभा रही हैं बल्कि नेतृत्वकारी भूमिका में भी दिखाई दे रही हैं। यह परिवर्तन बताता है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं किसी से कम नहीं हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के समानांतर एक भयावह यथार्थ भी मौजूद है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि बालिकाओं और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी आने के बजाय कई क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की जा रही है। देश में यौन शोषण,घरेलू हिंसा, बाल तस्करी,ऑनलाइन उत्पीड़न और साइबर अपराधों के मामले तेजी से बढ़े हैं। यह तथ्य अत्यंत चिंताजनक है कि अधिकांश अपराध घर या परिचित परिवेश में ही होते हैं,जहां बालिकाएं स्वयं को सबसे अधिक सुरक्षित समझती हैं।

संयुक्त राष्ट्र कार्यालय की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में विश्वभर में 85 हजार महिलाओं और लड़कियों की हत्या हुई,जिनमें से 60 फीसदी यानी करीब 51 हजार हत्याएं महिलाओं और लड़कियों के परिवार के सदस्यों,करीबी रिश्तेदारों या उनके पार्टनर ने की। औसतन प्रतिदिन लगभग 140 महिलाएं और बालिकाएं अपने घरों में हिंसा का शिकार होकर जीवन गंवा रही हैं। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी महिलाओं और लड़कियों की हत्या के हजारों मामले सामने आना यह दर्शाता है कि लैंगिक हिंसा केवल विकासशील देशों की समस्या नहीं,बल्कि एक वैश्विक मानवीय संकट है। भारत में स्थिति इसलिए और गंभीर हो जाती है क्योंकि यहां अपराध के साथ-साथ सामाजिक चुप्पी और पीड़िता को दोष देने की मानसिकता भी जुड़ी हुई है। कई मामलों में न्याय प्रक्रिया की धीमी गति,सामाजिक दबाव और भय के कारण अपराध दर्ज ही नहीं हो पाते। बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों में वृद्धि इस बात का संकेत है कि कानून तो बने हैं लेकिन उनके प्रभावी क्रियान्वयन और सामाजिक चेतना में अभी भी गंभीर कमी है। यह भी सच है कि बालिकाओं को आज भी समानता साबित करने के लिए बालकों की तुलना में कहीं अधिक संघर्ष करना पड़ता है। शिक्षा से लेकर कैरियर,स्वतंत्रता से लेकर सुरक्षा तक,हर स्तर पर उन्हें अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। लैंगिक भेदभाव केवल किसी एक चरण तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह बालिका के जन्म से लेकर जीवन के हर पड़ाव पर उसका पीछा करता है। यही कारण है कि बालिका दिवस जैसे आयोजनों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है।

कुल मिलाकर,राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें यह स्मरण दिलाता है कि सशक्तिकरण केवल योजनाओं और नारों से संभव नहीं है,इसके लिए परिवार,समाज,शिक्षा व्यवस्था,मीडिया और शासन,सभी को मिलकर अपनी भूमिका निभानी होगी। बालिकाओं को भयमुक्त वातावरण देना, उनकी बात सुनना,उनकी पसंद का सम्मान करना और उन्हें निर्णय लेने की स्वतंत्रता देना ही वास्तविक सशक्तिकरण है। जब समाज यह स्वीकार करेगा कि बेटियां बोझ नहीं बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं,तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बालिकाओं को दया या सहानुभूति की दृष्टि से नहीं, अधिकार और समानता की दृष्टि से देखें। यही बालिकाएं देश की वर्तमान ऊर्जा हैं और भविष्य की दिशा भी। यदि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर मिले तो वे न केवल अपने परिवारों बल्कि पूरे राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस की सार्थकता इसी में है कि यह दिन हमें आत्मविश्लेषण के साथ-साथ ठोस सामाजिक परिवर्तन की प्रेरणा दे।

उप्र में धर्म के मामले में आपसी मतभेद सही नहीं

संजय गोस्वामी,
अनुशक्तिनगर,मुंबई

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अवि मुक्तेश्वरानंद के शिष्य और पुलिसवाले आमने-सामने आ गए। फिर जमकर धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद शंकराचार्य शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए।शंकराचार्य के शिष्य की पिटाई हुई एसओजी ने अविमुक्तेश्वरानंद के पालकी को ढकेलकर बाहर निकाला द्वारका पीठ के शंकराचार्य बोले...यह गौ हत्या जैसा पाप है और सभी पीठो के शंकराचार्य ने योगी सरकार के कदम का विरोध किया, उधर राम भद्राचार्य बोले...अवि मुक्तेश्वरानंद ने अन्याय किया अब कौन क्या बोल रहा है इस पर शांति से काम लेना चाहिए पहली बात तो ये है कि कौन भगवान का सच्चा भक्त है ये समझ में नहीं आता है मारना पीटना किसी को भी शोभा नहीं देता सीखो भगवान राम से जिन्होंने अपने राजधर्म में किसी जनता पर अन्याय नहीं किया राम को लेकर आए है और इसलिए हमें भी लाइए कितनी बार मैं सुन चुका हूँ लेकिन ऐसा नहीं सुना की अहम में अपने को ही भूल गए मैं ही सब कष्टों का कारण है इसे आने ना दो.पहले सभी सनातन जो हिन्दू धर्म के हित धारक होते है उनके बारे में कुछ जाने सबसे बड़ा सनातनी में सर्वोच्च भाव त्याग का होता है वो भी परमार्थ हेतु,मैं और मेरा, इस भाव का त्याग है। फल की इच्छा या भविष्य की कोई चिंता नहीं होती। कर्ताभाव नहीं होता। कोई दुनियवी इच्छा नहीं रहती। संस्कृत में सन्यासी शब्द का अर्थ होता है सम्यक + न्यास = पूर्ण रूप से छोड़ देना। फिर वह कहीं भी रहता हो जंगल या महल में। मन से सब कुछ त्याग चुका होता है। किसी में भी लिप्त नहीं रहता। यह स्थिति कोई रास्ता नहीं है। मंजिल है। इसमें स्थूल त्याग इतना महत्व नहीं रखता। भारतीय अध्यात्म और शास्त्र परंपरा में परिव्राजक और संन्यासी दोनों शब्द त्याग के मार्ग को दर्शाते हैं,लेकिन इनके सूक्ष्म अर्थ और जीवनशैली में कुछ बुनियादी अंतर हैं। इसे आसान भाषा में इस प्रकार समझ सकते हैं:-1. परिव्राजक परिव्राजक शब्द का मूल अर्थ है–निरंतर घूमने वाला (परि=चारों ओर, व्राजक=चलने वाला)। मुख्य विशेषता परिव्राजक वह है जिसका कोई स्थायी ठिकाना नहीं होता। वह एक स्थान पर अधिक समय तक नहीं रुकता (आमतौर पर वर्षा ऋतु को छोड़कर)। **उद्देश्य:-** इनका

मुख्य उद्देश्य ज्ञान का प्रसार करना और स्वयं को मोह-माया से दूर रखने के लिए किसी एक स्थान से जुड़ाव न रखना है। एक उपमा- उन्हें बहते पानी की तरह माना जाता है जो कभी रुककर गंदा नहीं होता। 2. संन्यासी संन्यासी शब्द का मूल अर्थ है–जिसने पूर्ण त्याग कर दिया हो (सम् + न्यास)। मुख्य विशेषता-संन्यास एक अवस्था या आश्रम है। जब व्यक्ति संसार के सभी कर्तव्यों (गृहस्थ जीवन) से मुक्त होकर स्वयं को परमात्मा या आत्म-ज्ञान के लिए समर्पित कर देता है, तो वह संन्यासी कहलाता है। **उद्देश्य:-** इसका मुख्य उद्देश्य मोक्ष प्राप्त करना और अहंकार का पूर्ण विनाश करना है। संन्यासी एक जगह आश्रम में रहकर भी साधना कर सकता है। दोनों में मुख्य अंतर आधार व परिव्राजक का है संन्यासी में गतिशील,निरंतर भ्रमणशील रहता है (घुमक्कड़)। एक स्थान पर रुक सकता है (आश्रम या कुटिया में)। परिव्रज्या यानी घर-बार छोड़कर भ्रमण करना। न्यास यानी सब कुछ छोड़कर आत्मस्थ होना। जिसकी जीवनशैली भिक्षा मांगकर और यात्रा करके जीवन बिताना होता है और ध्यान,तपस्या और शास्त्र चिंतन में लीन रहना। प्राथमिकता में वैराग्य और लोक-शिक्षा के लिए यात्रा करना और त्याग,वैराग्य और मोक्ष के लिए स्थिर साधना करना होता है। आप कह सकते हैं कि हर परिव्राजक एक संन्यासी होता है, लेकिन हर संन्यासी ज्ञानी हो यह जरूरी नहीं। यदि एक संन्यासी एक जगह बैठकर तपस्या कर रहा है, तो वह केवल संन्यासी है। यदि वही संन्यासी गांव-गांव घूमकर ज्ञान बाँट रहा है और कहीं रुकता नहीं है,तो उसे परिव्राजक कहा जाता है। स्वामी विवेकानंद को अक्सर परिव्राजक कहा जाता है क्योंकि उन्होंने पूरे भारत की पैदल यात्रा की थी। क्या आप इन दोनों श्रेणियों में आने वाले किसी विशेष महापुरुष या उनके दर्शन के बारे में और विस्तार से जानना चाहते हैं? आचार्य तुलसी ने प्रेक्षा ध्यान को आरंभ किया जिसको अचार्य महाप्रज्ञ ने बहुत ऊंचाई प्रदान की। मैं जैनिज्म पर भी कलेक्शन कर रहा हूं कभी ना कभी पुस्तक लिखूंगा। जैन धर्म को बहुत गहराई से समझा है। उसके गुरुओं का जीवन यदि तुमको मालूम हो जाए तो तुम्हारी आंखों से आंसू आ जाएंगे इतना कष्ट कहते हैं अपने शिष्यों को सुधारने के लिए। दिगंबर ऋषि आचार्य तरुण सागर महाराज ने प्रतिज्ञा की थी तो उन्होंने तबीयत खराब होने पर दवा नहीं ली अपने प्राण त्याग दिए। शक्तिपात परंपरा का हूं उसमें तो उपवास द्वारा भी नहीं है अधिक। इसके अतिरिक्त बंधन मुक्त होने के लिए कुंडलिनी शक्ति का प्रयोग होता है। और मेरी निगाह में भी यह आवश्यक नहीं है। ईश्वर की प्राप्ति के लिए बंधन मुक्त होना है बंधन नहीं करना है लेकिन यह भी एक परंपरा है सनातन की जिसको कि हमको जानना चाहिए और हमको इन परंपराओं का भी सम्मान करना चाहिए अर्थात हम भले ही ना करें जो नहीं कर रहे हैं उनके लिए अलग बात है लेकिन जो कर रहे हैं उनका सम्मान करना चाहिए। उनके लिए कोई कष्ट देना नहीं होता है इनमें। उनके लिए यह स्वाभाविक हो जाता है। उनकी शक्ति ऐसी है। वह खुशी खुशी यह करते हैं। उनका सामर्थ्य है। लोग इसे कठोरता मानते हैं क्योंकि वह स्वयं कर नहीं सकते और करेंगे तो पीड़ा होती है इसलिए उनको लगता है कि ये जबरदस्ती से कर रहे। जबकि उनके लिए तो ये बिल्कुल स्वाभाविक है। बहुत साल पहले से चाय पीना छोड़ दिया था। कभी इच्छा भी नहीं होती। जबकि लोग चाय न पिए तो दिन खराब हो जाता है। उनके लिए यह अस्वाभाविक है लेकिन जो चाय नहीं पीते उनके लिए यह स्वाभाविक है। उनकी स्फूर्ति चाय के ऊपर आधारित नहीं है। जैन मुनि कभी वाहन में नहीं बैठते पदयात्रा करते हैं जीवन भर हम में से कितने लोग करते हैं मॉर्निंग वॉक तो होती नहीं। आचार्य तुलसी जिनको की बाद में गणाधिपति तुलसी की उपाधि दी गई थी उन्होंने इसमें छूट देने का विकल्प रखा था क्योंकि जैन धर्म का प्रचार बिल्कुल नहीं हो पाया लेकिन बहुत से लोग अभी भी नहीं मानते हैं। 400 साल पहले आचार्य भिक्षुक ने कुछ अन्य मान्यताओं के साथ नया पंथ आरंभ किया था। लेकिन कुल मिलाकर समय के साथ जैन धर्म ने अपनी बंधन को बदलने का प्रयास इक्का-दुक्का किया है और मूल रूप में थोड़ा परिवर्तन हुआ है विचारों का परिवर्तन हुआ है लेकिन जीवन में परिवर्तन बंधन में परिवर्तन नहीं किया है। बौद्ध दर्शन में तो इतना अधिक विघटन हो गया है इतनी अधिक अलग-अलग सोच के सन्यासी पैदा हो गए हैं जो वास्तविकता को लगभग भूल चुके हैं सिर्फ गेरुआ वस्त्र पहन रहे हैं जैसे नव बौद्ध यह जबरदस्ती का पैदा हो किया हुआ एक पंथ है जो महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं से बिल्कुल अलग ही दिखता है। खाने पीने में स्वतंत्रता हिंसा अहिंसा में स्वतंत्रता जीवन की दिनचर्या में स्वतंत्रता महात्मा बुद्ध के विचारों के बिल्कुल प्रतिकूल चलना यह इनका फैशन हो गया है। जैसे हीन यान। यह परंपराओं को लेकर चल रहे हैं लेकिन और दूसरे जो विघटक बने हैं वह आधुनिकता के अनुसार परिवर्तित होते जा रहे हैं।

बालिकाओं के साथ हैवानियत के बढ़ते मामले चिंताजनक

श्वेता गोयल
गोपालनगर,नजफगढ़,नई दिल्ली

बालिकाओं को मिले भयमुक्त वातावरण

वर्ष 2008 से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है, जो पूरी तरह लड़कियों को समर्पित है। प्रत्येक बालिका को मानवीय अधिकार मिलना सुनिश्चित करने, समाज में बालिकाओं के अधिकारों को लेकर जागरूकता पैदा करने तथा उन्हें नया अवसर मुहैया कराने के उद्देश्य से 2008 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा इस दिवस की शुरूआत की गई थी।दरअसल बालिकाओं को शिक्षा,कानूनी अधिकार और सम्मान जैसे मामलों में असमानता का शिकार होना पड़ता है और ऐसे मामलों को दुनिया के समक्ष लाना, लोगों के बीच बराबरी का अहसास पैदा करना, लड़कियों के अधिकारों, शिक्षा,स्वास्थ्य और पोषण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता पैदा करना ही इस दिवस का अहम उद्देश्य है। लैंगिक भेदभाव तो सदियों से एक बहुत बड़ी समस्या है, इसीलिए राष्ट्रीय बालिका दिवस के माध्यम से लोगों में लैंगिक असमानता को लेकर जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया जाता है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में बालिकाओं के कल्याण के लिए सरकारों द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरूआत की गई है, बालिका विवाह और लिंग परीक्षण पर रोक जैसे कानून लागू हैं और बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसा महत्वपूर्ण अभियान चलाया जा रहा है लेकिन छोटी-छोटी बालिकाओं पर अत्याचारों का सिलसिला निर्बाध रूप से जारी है। संयुक्त राष्ट्र महिला के आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में 15-19 आयु वर्ग की करीब डेढ़ करोड़ किशोर बालिकाएं अपने जीवन में कभी न कभी यौन उत्पीड़न का शिकार होती हैं। अगर पिछले कुछ दिनों के मामलों पर नजर डालें तो बालिकाओं के शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न की काफी वीभत्स तस्वीर सामने आती है। देश के विभिन्न हिस्सों से लगातार सामने आते ऐसे मामलों की लंबी फेहरिस्त है। आए दिन अबोध बालिकाओं के साथ हैवानियत के निरन्तर सामने आते ऐसे मामलों से इंसानियत भी शर्मसार हो रही है। चिंताजनक स्थिति यह है कि

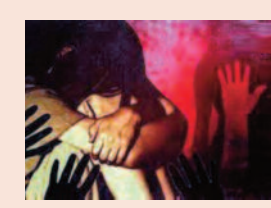

अक्सर ऐसे ज्यादातर मामलों में पुलिस का गैरजिम्मेदाराना और लापरवाही भरा रवैया सामने आता रहा है। निर्भया कांड के बाद कानूनों में सख्ती और महिला सुरक्षा के नाम पर कई तरह के कदम उठाने के बाद भी अगर इस तरह के मामले थमने का नाम नहीं ले रही तो इसका स्पष्ट कारण यही है कि कड़े कानूनों के बावजूद असामाजिक तत्वों पर वो कड़ी कार्रवाई नहीं होती,जिसके वे हकदार हैं और इसके अभाव में हम ऐसे अपराधियों के मन में भय पैदा करने में असफल हो रहे हैं। हैदराबाद की बेटी दिशा का मामला हो या उन्नाव पीड़िता का अथवा हाथरस या बुलंदशहर की बेटियों का,लगातार सामने आते ऐसे तमाम मामलों से स्पष्ट है कि केवल कानून कड़े कर देने से ही बालिकाओं के प्रति हो रहे अपराध थमने वाले नहीं हैं।

यह विडम्बना ही है कि हम नवरात्र जैसे पर्वों पर बालिका पूजन करने का ढ़ोंग करते हैं लेकिन देवी स्वरूपा उन्हीं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं करते। बेहद चिंताजनक स्थिति है कि भारत में प्रतिवर्ष 3-7 लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिए जाते हैं। हालांकि आज कई बालिकाएं भी विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के झंडे गाड़ रही हैं लेकिन उसके बावजूद शिक्षा,कानूनी अधिकार और सम्मान जैसे मामलों में उन्हें 21 वीं सदी में भी असमानता की शिकार होना पड़ता है। तमाम जागरूकताओं के बावजूद समाज में लैंगिक भेदभाव आज भी बरकरार है। बहुत से मामलों में बालिकाओं के नजदीकी लोग ही उनका शोषण करते हैं। सरकारों द्वारा भले ही 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसी योजनाओं का श्रीगणेश कर दिया गया है लेकिन जब कुछ मामलों में कानून के रक्षक ही बालिकाओं के शोषण के मामले में भक्षक की भूमिका में सामने आते हैं तो ऐसी योजनाएं औचित्यहीन प्रतीत होने लगती हैं। बालिकाएं आज स्वयं को कहीं भी सुरक्षित नहीं समझती, इसलिए केवल कागजों में बालिकाओं के कल्याण के लिए नई-नई योजनाएं बनाते रहने से तब तक कुछ हासिल नहीं होने वाला, जब तक कि समाज बालिकाओं को भयमुक्त वातावरण उपलब्ध होने की गारंटी न दे। जरूरत इस बात की है कि बालिकाओं के साथ दरिंदगी करने वालों के लिए बेहद कड़े कानून बनें, ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों का गठन हो और ऐसे मामलों की जांच में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों तथा अन्य अधिकारियों को कड़े दंड का प्रावधान हो।

कविता

संजय एम. तराणेकर,
इन्दौर
(मध्यप्रदेश)

मेहताब

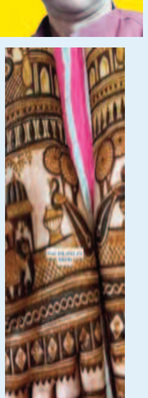

खिलीं-खिलीं सी हैं जुल्फें
निखरा-निखरा सा हैं रूप।
यूं निकल आओं धूप में भी,
छांव लगेगी सभी को भी।
तेरे शबनमी होठों की हँसी,
सभी को ही गुलाब लगेगी।
ये महक उठेगा हर आंगन,
हर दिल में होगा ही स्पंदन।
तुम्हारी एक ही मुस्कुराहट,
जैसे हुस्न की शराब लगेगी।
देख रहा हैं हर कोई ख्वाब,
तुम हर किसी को इश्क की!
एक सुन्दर मेहताब लगेगी।

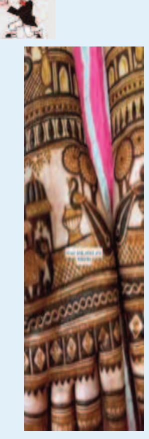

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सुदृढ़ समृद्ध राष्ट्र का सबल आधार हैं बालिकाएं

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा,उत्तर प्रदेश

परिवार एवं समाज के विकास के लिए यह अत्यावश्यक है कि स्त्री और पुरुष दोनों के लिए समान रूप से शिक्षा और विकास के अवसर उपलब्ध हों। स्वास्थ्य एवं पोषण के मामले में कोई भेदभावपूर्ण व्यवहार न किया जा रहा हो। हालांकि देश के पिछले कुछ दशक समाज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में असमानता एवं गैरबराबरी के दौर से गुजरे हैं, लेकिन अब स्थिति बेहतर हो रही है जो अच्छा संकेत है। परिवार के विकास रथ का एक सबल पहिया होने के बावजूद स्त्री या बालिकाओं के प्रति समाज का नजरिया संकुचित एवं दोषपूर्ण था, जिसे भारत के लिंगानुपात से भलीभांति समझा जा सकता है। 2011 की जनगणना में पुरुष महिला लिगांनुपात 943 था। और पीछे की ओर चलें तो 933 (2001), 927 (1991), 934 (1981) रहा है, जिसका एक बड़ा कारण बालिका भ्रूण हत्या या नवजात कन्या हत्या, अशिक्षा,दहेज और पुरुष सत्तात्मक सोच थी। यदि बाल लिंगानुपात देखें तो 927 (2001) की अपेक्षा 919 (2011) घटा है। स्पष्ट है कि समाज में व्याप्त पुरुषवादी मानसिकता के कारण वंशबेल की वृद्धि हेतु पुत्र की कामना की जाती रही है और बेटी को पराया धन समझा जाता रहा है। स्त्री सशक्तिकरण की बातें तब तक बेमानी हो जाती है जब तक बालिकाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और रोजगार के समान अवसर उपलब्ध नहीं हो जाते। इसके लिए जरूरी है कि बालिकाओं के प्रति व्याप्त असमानता एवं भेदभाव पूर्ण पारिवारिक एवं सामाजिक व्यवहार से सकल समाज मुक्त हो और

बालक-बालिका के प्रति खान-पान एवं शिक्षा-दीक्षा के लिए समदृष्टि से एकसमान व्यवहार करे। लड़कियों द्वारा सामना की जा रही सभी प्रकार की असमानताओं और सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध जन-जागरूकता लाते हुए बालिका अधिकारों के प्रति समाज में चतुर्दिक चेतना का संचार एवं प्रचार-प्रसार करना ही एकमात्र विकल्प है। राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन इसी दिशा में उठाया गया एक सशक्त, सम्यक एवं सार्थक कदम है जिसके द्वारा समाज में जागरूकता बढ़ी है।

24 जनवरी को प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि देश में पहली बार एक स्त्री ने सरकार के नेतृत्व की कमान संभाली थी। इंदिरा गांधी पहली बार प्रधानमंत्री के रूप में 24 जनवरी, 1966 को पदारूढ़ हुई थीं। इंदिरा गांधी का नेतृत्व समाज और देश को दिशा देने वाला था और उनको एक शक्ति के रूप में याद किया जाता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2008 में 24 जनवरी को इंदिरा गांधी को शक्ति के रूप में याद करने एवं बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण के महत्व पर बल देने हेतु राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की थी। इस अवसर पर संपूर्ण देश में सरकारों द्वारा विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। बालिका शिशु बचाने एवं बालिका लिंगानुपात बेहतर करते हुए बालिकाओं के आगे बढ़ाने के रास्ते पर आ रही चुनौतियां एवं बाधाओं को दूर करने का प्रयास किया जाता है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान इसी दिशा में एक सशक्त प्रयास है जिसके द्वारा स्कूल जाने वाली बालिकाओं की संख्या में खासी वृद्धि हुई है और माता-पिता अभिभावक बालिका शिक्षा के महत्व से परिचित हुए हैं। बालिकाओं की शिक्षा की निरंतरता के लिए आरंभ की गई सुकन्या समृद्धि योजना से बालिकाओं की शिक्षा में आ रही रूकावटों को दूर किया गया है।

ऑनलाइन सट्टा का मास्टरमाइंड गिरफ्तार,घर से 6.45 लाख नकद बरामद

20 से अधिक लोगों की संलिप्तता उजागर,अवैध संपत्तियां जांच के घेरे में

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
ऑनलाइन सट्टा खिलाने के मुख्य आरोपी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा को कोतवाली पुलिस ने महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को दो दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की, जिसमें कई अहम खुलासे हुए हैं। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह ऑनलाइन सट्टे का पैनल संचालित कर रहा था और कई लोगों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर सट्टे के अवैध कारोबार में उपयोग कर रहा था। इस नेटवर्क में 20 से अधिक लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार आईपीएल मैचों के दौरान ऑनलाइन सट्टा खिलाने का आरोपी नेहरू वार्ड सत्तीपारा निवासी पिछले करीब एक वर्ष से फरार चल रहा था। माननीय न्यायालय द्वारा उसकी उपस्थिति के लिए उद्घोषणा भी जारी की गई थी। इसके बावजूद वह पुलिस की पकड़ से

बाहर था। सरगुजा पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल के नेतृत्व में संयुक्त टीम गठित की गई थी। तीन दिन पूर्व पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी पुणे में छिपा हुआ है, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर अंबिकापुर लाया गया। रिमांड के दौरान पुलिस ने आरोपी के घर का सर्च वारंट प्राप्त कर तलाशी ली। घर में उसके परिजन नहीं मिले। तलाशी के दौरान घर से 6.45 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण, जमीन संबंधी दस्तावेज,7 एटीएम कार्ड और एक पासबुक बरामद की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी की अन्य जगहों पर भी संपत्ति होने की पुष्टि हुई है। इनकी जांच के लिए राजस्व विभाग को पत्राचार किया गया है। सट्टे की अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियों पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

सट्टा कारोबार में इन नामों का खुलासा

पूछताछ में आरोपी ने जिन लोगों की संलिप्तता बताई है,उनमें सुधीर गुप्ता, राहुल अग्रवाल,सोम गुप्ता,अम्मी गिरी, सौरभ यादव,साहिल गुप्ता,अमन करारिया, श्रीकांत अग्रवाल,राहुल कुमार सोनी, अर्जुन गुप्ता,ऋतिक मंदिलवार,नितिन यादव,अमित कुमार मिश्रा,ध्रुविल पटेल, मुकेश त्रिपाठी,सौरभ गुप्ता,अंकित गुप्ता, प्रतिक कश्यप,सत्यम केशरी और सूरज खटीक शामिल हैं।

जंगल में लकड़ी लेने गए ग्रामीण पर भालू का हमला,एक गंभीर

सिर और चेहरे पर गहरे जख्म,मिशन अस्पताल में भर्ती

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
बलरामपुर जिले के ग्राम भेंडरी में शुक्रवार सुबह जंगल में लकड़ी लेने गए दो ग्रामीणों पर भालू ने हमला कर दिया। इस घटना में एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए मिशन अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार भागीरथी यादव (65 वर्ष), निवासी ग्राम भेंडरी (दौरा-कोचली), शुक्रवार सुबह गांव के ही मुन्ना यादव के साथ घर से करीब तीन किलोमीटर दूर जंगल गया था। इसी दौरान झाड़ियों से अचानक निकले भालू ने दोनों पर हमला कर दिया। मुन्ना यादव किसी तरह जान बचाकर गांव पहुंचा और घटना की जानकारी दी। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, भालू भागीरथी यादव को गंभीर रूप से घायल कर चुका था और वहां से जंगल की ओर भाग गया। परिजन घायल भागीरथी यादव को घर लाए, बाद में इलाज के लिए मिशन अस्पताल में भर्ती कराया गया। भालू के हमले से उसके सिर और चेहरे पर गहरे घाव आए हैं। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
हत्या के प्रयास के मामले में कोतवाली पुलिस ने फरार आरोपी सुशांत सिंह उर्फ अंशु को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस प्रकरण में दो आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। प्रार्थी मोनू साहू, निवासी गहिरा गुरु आश्रम के पास ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 22 मार्च 2025 की रात आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए चाकू से हमला किया और उसकी स्कॉर्पियो वाहन में तोड़फ़ोड़ की। विवेचना के दौरान फरार चल रहे आरोपी सुशांत सिंह उर्फ अंशु (32 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

काम दिलाने का झांसा देकर युवती की खरीद-फरोख्त,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

काम दिलाने के बहाने युवती की खरीद-फरोख्त करने के मामले में लखनपुर पुलिस ने मुख्य आरोपी धनी कुजूर को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले इस प्रकरण में तीन आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। पीड़िता की रिपोर्ट पर लखनपुर थाना में अपराध दर्ज किया गया था। आरोपी युवती को उज्जैन ले जाकर अवैध रूप से बेचने में शामिल था। लंबे समय से फरार चल रहे धनी लाल कुजूर (43 वर्ष), निवासी सिंगीटाना को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से 2 हजार रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई है। उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

राष्ट्रीय शालेय क्रिकेट में छत्तीसगढ़ प्री क्वार्टर फाइनल में

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता (क्रिकेट, 14 वर्ष बालक) का आयोजन 19 जनवरी से सीकर (राजस्थान) में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आंध्र प्रदेश और गोवा को पराजित कर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गोवा की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। निर्धारित ओवरों में गोवा की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 78 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ टीम ने 5 विकेट से मुकाबला जीत लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से धीरज ने 25 रन, हर्षित ने 15 रन,आयुष ने 12 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में विराट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 रन देकर 3 विकेट झटके। इस जीत के साथ छत्तीसगढ़ टीम ने प्री क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

चलती कार से स्टंटबाजी करने का वीडिया वायरल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।

सरस्वती पूजा के अवसर पर शहर में छात्रों द्वारा कार से खतरनाक स्टंटबाजी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। वीडियो चौपाटी क्षेत्र का बताया जा रहा है, जिसमें 9 से 10 कारों में सवार युवक स्टंट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में युवक चलती कारों के दोनों दरवाजों पर लटककर स्टंट कर रहे थे, जो न केवल उनकी जान के लिए बल्कि सडक़ पर चल रहे अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 9 कारों को जब्त किया है,वहीं करीब एक दर्जन से अधिक युवकों को हिरासत में लिया गया है।

फर्जी पट्टा निरस्तीकरण को लेकर ग्रामीण का धरना, पुलिस ने थाने ले जाकर की पूछताछ;3 दिन का दिया था अल्टीमेटम

-संवाददाता-
बलरामपुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर क्षेत्र में फर्जी पट्टा निरस्त नहीं होने से नाराज एक ग्रामीण ने प्रशासन के खिलाफ धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरने की सूचना मिलते ही वाड्रफनगर पुलिस मौके पर पहुँची और धरने पर बैठे युवक को थाने ले जाकर पूछताछ की। मिली जानकारी के अनुसार,वाड्रफनगर अनुविभाग के ग्राम बसंतपुर निवासी रामहरी गुप्ता ने सोमवार से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय के सामने धरना देना शुरू किया। उनका आरोप है कि फर्जी पट्टा निरस्त कराने के लिए उन्होंने काफी पहले शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

फर्जी तरीके से तैयार कराया गया था पट्टा : रामहरी गुप्ता ने वर्ष 2023-24 में कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया था कि धनवार राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित भूमि पर विशाल कश्यप द्वारा कथित रूप से फर्जी तरीके से पट्टा तैयार कराया गया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए वाड्रफनगर तहसीलदार द्वारा एक जांच टीम गठित की गई थी। जांच टीम की पड़ताल में शिकायत सही पाई गई, जिसके बाद जांच से संबंधित सभी दस्तावेज अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वाड्रफनगर को सौंप दिए गए। इसके पश्चात पट्टा निरस्तीकरण की प्रक्रिया शुरू करते हुए फाइल बलरामपुर एसडीएम कार्यालय भेजी गई। हालांकि, एसडीएम कार्यालय ने यह कहते हुए फाइल वापस लौटा दी कि संबंधित समिति द्वारा अब तक पट्टा निरस्तीकरण का आदेश पारित नहीं किया गया है। इसी कारण पूरा मामला लंबे समय से अटका हुआ है।

आदेश जारी होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी

रामहरी गुप्ता का कहना है कि शिकायत दर्ज किए जाने के एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है,लेकिन अब तक फर्जी पट्टा निरस्त नहीं किया गया। उन्होंने प्रशासन को पहले ही तीन दिन का अल्टीमेटम दिया था। निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद सोमवार से उन्होंने एसडीएम कार्यालय के सामने धरना शुरू कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जब तक फर्जी पट्टा निरस्तीकरण का आदेश पारित कर विधिवत कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित समिति से शीघ्र पट्टा निरस्त कराकर आदेश एसडीएम कार्यालय भेजा जाए,ताकि पूरे मामले का कानूनी समाधान हो सके और उन्हें न्याय मिल सके।

सब्जी विक्रेता से मारपीट व लूट के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

दुकान में तोड़फ़ोड़,नकदी व डीवीआर ले गए थे आरोपी...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
सब्जी खरीद-बिक्री को लेकर हुए विवाद में मारपीट,दुकान में तोड़फ़ोड़ और नकदी लूट के मामले में कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार गांधनपुर निवासी उमेन्द्र गुप्ता का कंपनी बाजार में थोक सब्जी दुकान है। 19 जनवारी को पड़ोस के दुकानदार राजेन्द्र गुप्ता से सब्जी खरीद-बिक्री को लेकर विवाद हुआ था। उपेन्द्र थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने गया था। इधर राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता का लडक़ा प्रियांशु गुप्ता,प्रिंस गुप्ता,सुरज गुप्ता एवं अंकित सोनी ने उपेन्द्र के दुकान में घुसकर उसके भाई आकाश से मारपीट कर तोड़फ़ोड की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान आरोपियों ने दुकान के काउंटर से 30-40 हजार रुपए नकद व सीसीटीवी का डीबीआर ले गए। मामले में पुलिस ने आरोपी राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता पिता रघुपति

साव उम्र 55 वर्ष, प्रिंस गुप्ता पिता राजेंद्र गुप्ता उम्र 21 वर्ष,प्रियांशु गुप्ता पिता राजेन्द्र गुप्ता उम्र 19 वर्ष निवासी गोधनपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। मामले में फरार अन्य आरोपियों की भी तलाश की जा रही है।

जिले में किराएदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य,उल्लंघन पर सजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर अजीत वसंत ने नगरीय एवं नगर बाह्य क्षेत्रों में किराएदारों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य कर दिया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किया गया है और तत्काल प्रभाव से लागू होगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने बताया कि असामाजिक तत्व अपराध की नीयत से किराए के मकानों में छिपने का प्रयास करते हैं, जिससे शांति व्यवस्था व जन-संपत्ति को खतरा उत्पन्न होता है। कई मामलों में मकान मालिक किराएदारों और घरेलू सहायकों की जानकारी पुलिस को नहीं देते, जिससे अपराध नियंत्रण में कठिनाई आती है। आदेश के अनुसार अब सभी मकान मालिकों को किराएदारों का पूरा विवरण संबंधित थाना प्रभारी को देना अनिवार्य होगा। बिना पुलिस सत्यापन के किसी को मकान या प्रतिष्ठान किराए पर नहीं दिया जा सकेगा। पूर्व से रह रहे किराएदारों की जानकारी भी तुरंत पुलिस को देनी होगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय अपराध होगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है।

बसंत पंचमी के दिन शराब के नशे में धुत शिक्षक ने स्कूल परिसर में मचाया उत्पात

-संवाददाता-
सूरजपुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
आज बसंत पंचमी का पर्व है। इस दिन स्कूलों में बच्चे ज्ञान की देवी मां सरस्वती की पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसे में शिक्षकों का फर्ज होता है कि वे बच्चों को सही मार्गदर्शन दें, लेकिन क्या हो जब शिक्षक ही गलत राह पर चल पड़ें। ऐसा ही एक मामला छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले से सामने आया है, जहां बसंत पंचमी के दिन एक शिक्षक शराब के नशे में धुत होकर स्कूल परिसर में जमकर उत्पात मचाता नजर आया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह मामला सूरजपुर जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत गुमगरा खुर्द जूनापारा प्राथमिक शाला का है। बताया जा रहा है कि संबंधित शिक्षक बसंत पंचमी के दिन नशे की हालत में स्कूल परिसर पहुंचा और वहां जमकर हंगामा किया। शिक्षक की स्थिति इतनी खराब थी कि वह न तो ठीक से खड़ा हो पा रहा था, न ही बच्चों एवं ग्रामीणों से सही ढंग से बातचीत कर पा रहा था।

ग्रामीणों ने बनाया वीडियो, सोशल मीडिया पर हुआ वायरल : शिक्षक की इस हरकत से आक्रोशित ग्रामीणों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में शिक्षक की अनुशासनहीनता और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार साफ तौर पर देखा जा सकता है। वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। संबंधित शिक्षक आए दिन शराब पीकर स्कूल आता था। कई बार ग्रामीणों और स्कूल प्रबंधन द्वारा समझाइश भी दी गई।

मां-बेटी का रिश्ता बनाकर 5 लाख की ठगी

विधवा महिला शिकार,ट्रेडिंग का झांसा देकर बैंक से नकद निकलवाए रुपए

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
अंबिकापुर के ठाकुरपुर क्षेत्र की रहने वाली एक विधवा महिला से 5 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवती ने पहले महिला से मां-बेटी का रिश्ता बनाकर विश्वास जीता और फिर ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर बैंक से नकद रुपए निकलवाकर हड़प लिए। पीड़िता शुक्रवार को गांधीनगर थाना रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंची, लेकिन पुलिस ने अपराध दर्ज करने के बजाय उसे न्यायालय जाने की सलाह दे दी। पीड़िता गांधीनगर थाना क्षेत्र के ठाकुरपुर की रहने वाली है। जानकारी के अनुसार अगस्त माह में उसकी पहचान सुमित्रा भगत नामक युवती से हुई, जो मूलतः कुसमी थाना क्षेत्र की निवासी है और वर्तमान में अंबिकापुर में रह रही है। युवती ने महिला को मां कहकर

संबोधित करना शुरू किया और अक्सर उसके घर आने-जाने लगी। धीरे-धीरे महिला उसके झांसे में आ गई। युवती ने महिला को बताया कि वह उसे ऑनलाइन ट्रेडिंग सिखाएगी, जिसमें निवेश करने पर अच्छा मुनाफा होता है। उसने अपने खाते में 46 लाख रुपये होने का स्क्रीन दिखाया। इसके बाद वह महिला को कार शोरूम भी ले गई और एक माह बाद गाड़ी खरीदने की बात कही। एक माह बाद युवती ने कार खरीदने के नाम पर महिला से 5 लाख रुपये मांगे। उसने कहा कि केवाईसी अपडेट नहीं होने के कारण उसके खाते से रुपए नहीं निकल पा रहे हैं और आधार अपडेट होते ही वह रकम लौटा देगी। महिला ने भरोसा कर पहले बैंक ऑफ इंडिया से ढाई लाख रुपये चेक के माध्यम से स्वयं निकालकर उसे दिए, फिर एसबीआई बैंक से ढाई लाख रुपये और निकालकर नकद सौंप दिए।

रकम नहीं लौटाई,पुलिस ने नहीं लिखी रिपोर्ट : पीड़िता के अनुसार उसने चेक से भुगतान करने की बात कही थी, लेकिन युवती ने नकद लेने पर जोर दिया। काफी समय बीतने के बाद भी जब रुपए वापस नहीं मिले और युवती टालमटोल करने लगी, तो पीड़िता ने थाने का रुख किया। हालांकि पुलिस ने युवती के खिलाफ अपराध दर्ज नहीं किया और पीड़िता को कोर्ट जाने की सलाह दे दी।

राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल में छत्तीसगढ़ की धमाकेदार शुरुआत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
69वीं राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 27 जनवरी तक इम्फाल (मणिपुर) में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ टीम ने शानदार आगाज करते हुए अपने पहले ही मुकाबले में आंध्र प्रदेश को 9-0 के बड़े

अंतर से पराजित किया। मैच के पहले हाफ में छत्तीसगढ़ की टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए 5 गोल दागे। वहीं दूसरे हाफ में भी दबदबा कायम रखते हुए 4 और गोल किए। इस जीत के साथ छत्तीसगढ़ ने अपने पूल का पहला मुकाबला जीत लिया। टीम की इस शानदार सफलता पर कोच पीयूष सैम्युअल,मैनेजर कविता ठाकुर, जनरल मैनेजर रविंद्र कुमार वर्मा सहित छत्तीसगढ़ के सभी अधिकारियों ने खिलाड़ियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

क्या कांग्रेसी नेताओं को भ्रष्टाचारी ही पसंद आते हैं? हजारों क्विंटल की शॉर्टेज के बाद भी कांग्रेसी नेता बांट रहे ईमानदारी का सर्टिफिकेट

धान घोटाले में किसान पीड़ित,कांग्रेसी जनपद सदस्य भ्रष्टाचारियों के साथ खड़े...

- प्रशासन की जांच पर सवाल...जनपद सदस्य बने समिति कर्मचारियों के वकील
- शिवप्रसाद नगर खरीदी केंद्र में 13 हजार बोरी धान कम...वीडियो में खुली पोल
- किसान बोले, प्रति बोरी आधा किलो ज्यादा धान...फिर भी जनपद सदस्य दे रहे क्लीन चिट
- धान खरीदी में गड़बड़ी पर कार्रवाई की जगह धमकी...प्रशासन पर दबाव का आरोप
- सोशल मीडिया में चमकने के चक्कर में कांग्रेसी नेता की फजीहत...किसान की बात अनसुनी
- चुनावी फाइनेंसर बने धान घोटाले के संरक्षक? जनपद सदस्य पर गंभीर आरोप
- शिवप्रसाद नगर धान खरीदी केंद्र में घोटाला...जनपद सदस्य का वीडियो वायरल...

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ सरकार की धान खरीदी व्यवस्था वर्ष 2025-26 अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है, शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि इस बार किसी भी प्रकार की गड़बड़ी,फर्जी खरीदी,अवैध उठाव या किसान शोषण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा,इसी कारण प्रशासन इस समय अलर्ट मोड में है और लगातार धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण,रिकॉर्ड मिलान और भौतिक सत्यापन किया जा रहा है, इन सत्यापनों के दौरान प्रदेश के कई जिलों से बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं, कहीं अवैध धान पकड़ा गया, तो कहीं राइस मिलर्स और समिति कर्मचारियों की मिलीभगत उजागर हुई,लेकिन इन्हीं सबके बीच सूरजपुर जिले का शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र अब एक गंभीर उदाहरण बनकर सामने आया है,शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र का मामला अब केवल एक समिति की गड़बड़ी नहीं रहा,यह बन चुका है किसानों के शोषण का प्रतीक,राजनीतिक संरक्षण का उदाहरण और प्रशासनिक निष्पक्षता की सबसे बड़ी परीक्षा,यदि इतने स्पष्ट तथ्यों के बाद भी कार्रवाई नहीं होती, तो यह संदेश जाएगा कि धान की चोरी से बड़ा अपराध उसे बचाने की राजनीति है,अब जनता जवाब चाहती है कानून चलेगा या प्रभाव?

प्रशासनिक जांच में खुलासा: 13 हजार से अधिक धान की बोरियां कम

शिवप्रसादनगर उपार्जन केंद्र में गड़बड़ी की शिकायत मिलने के बाद प्रशासनिक टीम द्वारा समिति के खरीद अभिलेख,उठाव रिकॉर्ड, परिवहन दस्तावेज और गोदाम में उपलब्ध स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराया गया,जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि केंद्र में 13,000 से अधिक धान की बोरियां कम पाई गई, यह शॉर्टेज हजारों क्विंटल धान के बराबर है,जिसकी कीमत करोड़ों रुपये में आंकी जा रही है,यह आंकड़ा किसी तकनीकी त्रुटि या सामान्य अंतर की श्रेणी में नहीं आता, बल्कि सीधे तौर पर व्यवस्थित भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है।

सोशल मीडिया की चमक में खुद फंस गए जनपद सदस्य

भैयाथान जनपद पंचायत के जनपद सदस्य एवं कांग्रेसी नेता राजू गुप्ता सोशल मीडिया पर अत्यधिक सक्रिय रहने के लिए जाने जाते हैं, उनके फोटो और वीडियो नियमित रूप से फेसबुक,व्हाट्सएप और अन्य प्लेटफॉर्म पर दिखाई देते हैं,लेकिन इस बार सोशल मीडिया की यही सक्रियता उनके लिए उलटी साबित हो गई, शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र में पहुंचकर बनाए गए वीडियो अब स्वयं उनके ही खिलाफ सबसे मजबूत प्रमाण बनते जा रहे हैं।

इसी बीच सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो-

प्रशासनिक जांच के कुछ ही दिन बाद एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा, यह वीडियो किसी और का नहीं बल्कि भैयाथान जनपद पंचायत के कांग्रेस नेता एवं जनपद सदस्य राजू गुप्ता का है, यह वीडियो स्वयं उनके सोशल मीडिया अकाउंट से अपलोड किया गया,जिसमें वे शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र में मौजूद दिखाई देते हैं।

कांग्रेस नेता एवं जनपद सदस्य राजू गुप्ता के तीन वीडियो -तीन अलग दृश्य

पहला वीडियो: किसान का बयान- पहले वीडियो में जनपद सदस्य एक किसान से बातचीत करते नजर आते हैं, किसान साफ शब्दों में बताता है कि निर्धारित 40 किलो 700 ग्राम के बजाय उससे 41 किलो 200 ग्राम धान तौल कराया जा रहा है, यानी प्रति बोरी लगभग आधा किलो अतिरिक्त धान,इसके साथ किसान यह भी स्पष्ट करता है कि हमाली राशि भी उसे खुद देनी पड़ रही है,समिति की ओर से किसी प्रकार का भुगतान नहीं किया जा रहा, यह पूरा बयान कैमरे में रिकॉर्ड है।

दूसरा वीडियो: धान की गिनती- दूसरे वीडियो में जनपद सदस्य गोदाम में रखी बोरियों की गिनती करते हुए नजर आते हैं, मानो प्रशासनिक जांच प्रक्रिया को स्वयं दोहरा रहे हों।

तीसरा वीडियो: क्लीन चिट और चेतावनी-तीसरे वीडियो में जनपद सदस्य समिति कर्मचारियों को पूरी तरह ईमानदार बताते हैं धान खरीदी प्रक्रिया को 'साफ-सुथरी' घोषित करते हैं, और प्रशासन को यह चेतावनी देते नजर आते हैं कि धान का उठाव पूरा होने दीजिए,उसके बाद अगर कमी मिले तब कार्रवाई कीजिए,अभी की गई जांच गलत है।

बयान सुनकर लोग रह गए हैरान- जनपद सदस्य के इस बयान ने कई सवाल खड़े कर दिए क्या जांच नियमों के विरुद्ध हुई थी? या जांच इसलिए गलत मानी जा रही है क्योंकि उसमें कमी सामने आ गई? विशेषज्ञों के अनुसार भौतिक सत्यापन किसी भी चरण में किया जा सकता है, और उठाव का इंतजार करना नियमों में कहीं दर्ज नहीं है।

क्या धान माफिया को बचाने की कोशिश?- स्थानीय लोगों और किसानों में यह चर्चा तेज हो गई कि समिति प्रबंधक,खरीदी प्रभारी और कथित धान माफिया अपने बचाव के लिए राजनीतिक संरक्षण का सहारा ले रहे हैं,वीडियो जिस तरह योजनाबद्ध प्रतीत होता है, उससे यह आशंका भी गहराई कि कहीं यह पूरी कवायद जांच पर पर्दा डालने के लिए तो नहीं की गई?

जनपद सदस्य के लिए किसानों की पीड़ा फिर हाशिए पर- जहां किसान अतिरिक्त तौल,हमाली वसूली, भुगतान संबंधी समस्याओं से परेशान हैं, वहीं वायरल वीडियो में इन मुद्दों पर कोई ठोस पहल नहीं दिखाई देती, किसान की परेशानी से ज्यादा चिंता इस बात की नजर आती है कि समिति कर्मचारियों पर कार्रवाई कैसे रोकी जाए।

जनता पूछ रही है–यह प्रतिनिधित्व किसका है? अब गांव–गांव में यह सवाल गूंज रहा है क्या जनपद सदस्य किसानों के प्रतिनिधि हैं या उन लोगों के, जिन पर 13 हजार बोरी धान गायब करने का आरोप है? लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि का दायित्व प्रशासन को डराना नहीं बल्कि जनता को न्याय दिलाना होता है।

वीडियो में किसान ने कैमरे पर स्वीकार की सच्चाई- वायरल वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा और सुना जा सकता है कि किसान स्वीकार करता है कि प्रति बोरी लगभग आधा किलो अतिरिक्त धान देना उसकी मजबूरी है,किसान यह भी कहता है कि हमाली की पूरी राशि उसे स्वयं अपनी जेब से देनी पड़ रही है, यह बयान किसी तीसरे व्यक्ति का नहीं, बल्कि स्वयं जनपद सदस्य द्वारा कैमरे पर पूछे गए सवालों के जवाब में सामने आया है।

फिर भी किसानों को नहीं, भ्रष्टाचारियों को मिला साथ- सब कुछ सुनने और देखने के बावजूद, न अतिरिक्त तौल रोकने का प्रयास किया गया, न हमाली वसूली पर कोई सवाल उठाया गया, न समिति कर्मचारियों से जवाब मांगा गया, इसके विपरीत, कुछ ही क्षणों बाद राजू गुप्ता समिति कर्मचारियों को ईमानदार बताते हैं, धान खरीदी को 'पूरी तरह साफ' घोषित करते हैं,और सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें क्लीन चिट दे देते हैं,यही विरोधाभास इस पूरे मामले को गंभीर बनाता है।

सूत्रों का बड़ा खुलासा- सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवप्रसादनगर समिति में गड़बड़ी करने वाले कर्मचारी और पूरी अवैध व्यवस्था को संचालित करने वाले कथित सरगना, राजू गुप्ता के राजनीतिक जीवन में गहरी भूमिका निभाते रहे हैं, सूत्र बताते हैं कि चुनाव के समय वोट मैनेजमेंट, क्षेत्र में मतदाताओं की ठेकेदारी,और चुनावी खर्च का बड़ा हिस्सा, इन्हीं लोगों के माध्यम से प्रबंधित किया जाता रहा है,यही वजह बताई जा रही है कि जनपद सदस्य किसानों के साथ खड़े होने के बजाय उन्हीं लोगों के बचाव में उतर आए जिन पर हजारों क्विंटल धान की हेराफेरी का आरोप है।

राजनीतिक संरक्षण की बू साफ महसूस हो रही- स्थानीय ग्रामीणों और किसानों के बीच यह चर्चा आम हो चली है कि यदि कोई साधारण किसान आधा किलो धान कम दे दे तो उसकी बोरी लौटा दी जाती है, लेकिन जब 13 हजार से अधिक बोरियां गायब मिलती हैं, तब राजनीतिक संरक्षण खुलकर सामने आ जाता है, यही दोहरा मापदंड अब जनता के गुस्से का कारण बन रहा है।

प्रशासनिक जांच को ही कठघरे में खड़ा किया गया- वीडियो में जनपद सदस्य यह कहते भी सुने गए कि धान का पूरा उठाव होने दीजिए, उसके बाद कमी मिले तो कार्रवाई करना, इस बयान ने प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है, विशेषज्ञों के अनुसार भौतिक सत्यापन किसी भी चरण में किया जा सकता है, उठाव पूरा होना कोई पूर्व शर्त नहीं है, इसके बावजूद जांच को गलत ठहराने का प्रयास यह संकेत देता है कि असली चिंता जांच नहीं, बल्कि उसके नतीजे हैं।

प्रशासन की अग्निपरीक्षा अब पूरा जिला प्रशासन की ओर देख रहा है...

- क्या शॉर्टेज के आधार पर एफआईआर दर्ज होगी?
- क्या दोषी समिति कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी?
- क्या किसानों से वसूली गई अतिरिक्त मात्रा लौटाई जाएगी?
- या फिर यह मामला राजनीतिक दबाव में दबा दिया जाएगा?

जांच के बाद भी कार्रवाई शून्य- इतनी बड़ी शॉर्टेज सामने आने के बावजूद न तो समिति प्रबंधक को हटाया गया, न खरीदी प्रभारी बदले गए, न खरीदी कार्य रोका गया, न ही तत्काल एफआईआर दर्ज की गई उल्टा, उसी समिति के कर्मचारियों से आगे भी खरीदी कराई जाती रही, जिससे प्रशासनिक स्तर पर भी सवाल उठने लगे।

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र का मामला

अब स्पष्ट कर चुका है कि यह केवल धान की चोरी नहीं, बल्कि सिस्टम, राजनीति और पैसे के गठजोड़ की कहानी है, यदि इतने प्रत्यक्ष प्रमाणों के बावजूद कार्रवाई नहीं होती, तो यह संदेश जाएगा कि भ्रष्टाचार से ज्यादा ताकत उसके संरक्षक की होती है, अब सवाल सिर्फ इतना है कानून चलेगा या फाइनेंसर?

सूरजपुर में कांग्रेस के दो चेहरे : एक नेता जांच पर सवाल उठाए तो दूसरा दोषियों पर कार्रवाई की मांग करता नजर आया...

धान घोटाले पर कांग्रेस के भीतर ही मतभेद,प्रशासन असमंजस में

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर 23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)। सूरजपुर जिले में सामने आए धान उपार्जन केंद्रों के महाघोटाले ने जहां प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर दिया है, वहीं अब यह मामला कांग्रेस पार्टी के भीतर भी विरोधाभास का कारण बनता नजर आ रहा है,एक ओर कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी दोषियों पर सख्त कार्रवाई और एफआईआर की मांग कर रहे हैं,तो दूसरी ओर पार्टी से जुड़े ही कुछ जनप्रतिनिधि जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कार्रवाई टालने की बात करते दिखाई दे रहे हैं,इस स्थिति ने न केवल राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है,बल्कि प्रशासन को भी असमंजस की स्थिति में डाल दिया है कि आखिर कांग्रेस की किस आवाज को सही माना जाए। सूरजपुर जिले में सामने आया धान घोटाला अब केवल प्रशासनिक जांच का विषय नहीं रहा,बल्कि राजनीतिक अंतर्विरोध और दबाव की कहानी बन चुका है। कांग्रेस के भीतर ही अलग-अलग सुर इस बात का संकेत दे रहे हैं कि मामला जितना बड़ा है, उतना ही संवेदनशील भी,अब निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि वह निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों पर सख्त कार्रवाई करता है या फिर यह महाघोटाला भी फाइलों में दबकर रह जाता है।

धान घोटाले की जांच और एफआईआर की मांग को लेकर कांग्रेस का ज्ञापन

धान उपार्जन केंद्रों में सामने आई भारी अनियमितताओं और कथित महाघोटाले की निष्पक्ष जांच कराने एवं दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर के नेतृत्व में कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा,ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि जिले के कई धान उपार्जन केंद्रों में,हजारों क्विंटल धान की गंभीर कमी पाई गई है, यह लापरवाही नहीं बल्कि सुनियोजित घोटाले का संकेत है इसके बावजूद अब तक न तो किसी जिम्मेदार समिति प्रबंधक के विरुद्ध एफआईआर दर्ज हुई है और न ही किसी को निलंबित किया गया है।

छिंदिया उपार्जन केंद्र में भी 000 बोरी धान की कमी का आरोप

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि रामानुजनगर विकासखंड के छिंदिया उपार्जन केंद्र में लगभग 3000 बोरी धान कम पाया गया है,जिसका उल्लेख जांच रजिस्टर में भी दर्ज है,इसके बावजूद इस केंद्र को लेकर अब तक कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने नहीं आई है।

संयुक्त जांच टीम में सामने आए चौंकाने वाले आंकड़े

प्रशासन द्वारा गठित संयुक्त जांच टीम की रिपोर्ट के अनुसार जिले के 8 धान उपार्जन केंद्रों में भारी मात्रा में धान की कमी पाई गई है...

उपार्जन केंद्र	बोरी	अनुमानित मात्रा
सावारावा	6,470 बोरी	लगभग 2,588 क्विंटल
टुकूडांड	16,032 बोरी	लगभग 6,412.8 क्विंटल
शिवप्रसादनगर	13,880 बोरी	लगभग 5,552 क्विंटल
सूरजपुर	16,526 बोरी	लगभग 6,610.4 क्विंटल
उमेश्वरपुर	17,591 बोरी	लगभग 7,630 क्विंटल
सोनपुर	10,484 बोरी	लगभग 4,100 क्विंटल
चंदौरा	2,045 बोरी	लगभग 818 क्विंटल
लटोरी	10,919 बोरी	लगभग 4,367.6 क्विंटल

इन आंकड़ों के अनुसार कुल मिलाकर 37 हजार क्विंटल से अधिक धान की कमी पाई गई है,जिसकी कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है।

कांग्रेस के भीतर ही दो राय,जांच पर उठे सवाल

जहां एक ओर कांग्रेस संगठन कार्रवाई की मांग कर रहा है, वहीं दूसरी ओर पार्टी से जुड़े एक कांग्रेसी जनपद सदस्य द्वारा शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण कर बयान दिया गया कि पहले धान का उठाव होने दिया जाए, उसके बाद यदि कमी पाई जाए तो कार्रवाई की जाए, इस बयान ने पूरे मामले को और उलझा दिया है।

यह केवल लापरवाही नहीं,सुनियोजित घोटाला है : जफर हैदर

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जफर हैदर ने कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में धान की कमी को प्रशासनिक भूल कहकर नहीं टाला जा सकता, यह स्पष्ट रूप से सुनियोजित घोटाले का मामला है, यदि समय रहते दोषियों पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो यह प्रशासनिक संरक्षण का प्रमाण माना जाएगा, उन्होंने मांग की कि सभी जिम्मेदार समिति प्रबंधकों को तत्काल निलंबित किया जाए, धान घोटाले में शामिल लोगों पर एफआईआर दर्ज हो, पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए।

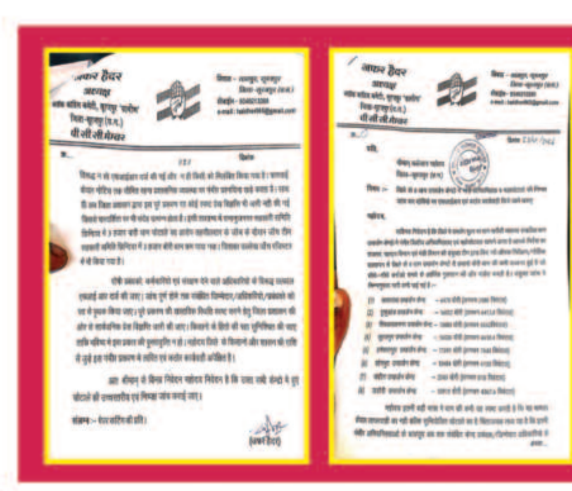

प्रशासन के सामने असमंजस की स्थिति

अब स्थिति यह बन गई है कि एक कांग्रेसी नेता एफआईआर की मांग कर रहा है, दूसरा कांग्रेसी नेता जांच पर सवाल उठाकर कार्रवाई टालने की बात कह रहा है,ऐसे में प्रशासन भी असमंजस में है कि किस कांग्रेसी की बात मानी जाए और किसकी नहीं,सूत्रों का कहना है कि राजनीतिक दबाव और परस्पर विरोधी बयानों के चलते कई मामलों में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है।

अब आम जनता और किसानों के बीच यह सवाल तेजी से उठ रहा है कि...

- क्या करोड़ों के घोटाले पर भी केवल नोटिस देकर मामला समाप्त कर दिया जाएगा?
- क्या राजनीतिक रसूख के चलते दोषियों को बचाया जा रहा है?
- क्या किसानों के धान के साथ हुआ यह घोटाला कभी अपने अंजाम तक पहुंचेगा?

CMYK

कोरिया में डीएमएफ बना 'डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड' नहीं 'डिस्ट्रिक्ट मलाई फंड'

-रवि सिंह-
कोरिया,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
कोरिया जिले में जिला खनिज न्यास मद अब खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास का साधन नहीं,बल्कि विकास के नाम पर मलाई निकालने की सबसे सुरक्षित मशीन बनता नजर आ रहा है, हालात ऐसे हैं कि जहां-जहां खनिज से धूल उड़नी चाहिए थी,वहां अब भ्रष्टाचार की रोशनी हाइब्रिड लाइट बनकर चमक रही है, इन लाइटों की खासियत यह नहीं कि ये एसी/डीसी पर चलती हैं, बल्कि यह है कि ये सीधे डीएमएफ के खजाने से चलती हैं।

निविदा गई छुट्टी पर, पंचायत बनी ठेकेदार, विकास नहीं, वोल्टेज बढ़ रहा है...

हाइब्रिड लाइट में चमकता भ्रष्टाचार, 20 हजार की लाइट,66 हजार का उजाला

डीएमएफ डायरीःजहां नियम अंधेरे में और बिल रोशनी में, खनिज न्यास या मलाई न्यास?

रोशनी के नीचे होता अंधेरा, जब विकास से ज्यादा चमके बिल,डीएमएफ का करंटःजनता जले...सिस्टम चमके

हाइब्रिड लाइट के उजाले में करोड़ों की बंदरबाट,पंचायत बनी एजेंसी और ठेकेदार बने मालिक

डीएमएफ का नया नामकरणः 'डिस्ट्रिक्ट मलाई फंड' जहां खनिज नहीं निकला,वहां भी मलाई निकल गई कोरिया में उजाला बिजली से नहीं,बजट से जल रहा है

सबसे बड़ा सवालःये सब किसके आदेश से?
अब सवाल प्रशासन से नहीं...व्यवस्था से है...?
कार्य को टुकड़ों में बांटने का आदेश किसने दिया?
पंचायतों को एजेंसी किस नियम से बनाया गया?
बाजार से तीन गुना दर किस आधार पर स्वीकृत हुई?
सूरजपुर का ठेकेदार कोरिया में कैसे सक्रिय हुआ?
और क्या यह सब बिना प्रशासनिक संरक्षण संभव है?

पंचायत बनी एजेंसी, लेकिन काम किसका? इस पूरे खेल में सबसे रोचक किरदार है...ग्राम पंचायत

कागजों में...

एजेंसीः ग्राम पंचायत
कार्य स्वीकृतिः पंचायत के नाम
भुगतानःपंचायत के खाते से

लेकिन ज़मीन पर

काम कर रहा है सूरजपुर जिले का ठेकेदार
सामग्री वही ला रहा है
मजदूरी वही दे रहा है
और मुनाफा भी वही ले रहा है
अब सवाल उठता है क्या ग्राम पंचायतों के पास इंजीनियर, तकनीकी स्टाफ, ट्रांसपोर्ट और मशीनरी है?
उत्तर साफ है – नहीं...

फिर पंचायत को एजेंसी क्यों बनाया गया?
जवाब भी उतना ही साफ है क्योंकि पंचायत से टेंडर नहीं निकलता...

करोड़ों का काम....लेकिन निविदा नहीं!

शासन के नियम कहते हैं करोड़ों के कार्य के लिए निविदा जरूरी है लेकिन कोरिया में नियमों का नया संस्करण लागू है निविदा से बचना हो तो काम को टुकड़ों में काट दो,यही फार्मूला अपनाकर करोड़ों के कार्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा गया,ताकि टेंडर न निकालना पड़े,प्रतिस्पर्धा न हो,सवाल न उठें,और चहेते ठेकेदार आराम से काम ले जाएं,इसे प्रशासनिक भाषा में वर्क स्प्लिटिंग कहा जाता है,और जनता की भाषा में खुली बंदरबाट।

हाइब्रिड लाइटःरोशनी कम,रेट हाई वोल्टेज

अब आते हैं असली उजाले पर,सूत्रों और बाजार भाव के अनुसार हाइब्रिड एसी/डीसी स्ट्रीट लाइट की वास्तविक कीमतः15,000 से ?20,000 प्रति नग,लेकिन कोरिया जिले में वही लाइट खरीदी दिखाई जा रही है,66,000 प्रति नग यानी एक लाइट = तीन लाइटों का दाम, और फर्क = सीधा डीएमएफ से उड़ान,अगर लाइट बोल पाती तो शायद कहती मुझे उजाला फैलाने के लिए नहीं,रेट बढ़ाने के लिए खरीदा गया है।

डीएमएफः विकास निधि या ठेकेदारी सुविधा योजना?

खनन प्रभावित क्षेत्रों के लिए बना डीएमएफ आज कोरिया में सड़क नहीं बनवा रहा, स्वास्थ्य नहीं सुधार रहा, शिक्षा नहीं बढ़ा रहा बल्कि ठेकेदार सुविधा योजना,अधिकारी-ठेकेदार सहभागिता मॉडल और पंचायत-ढाल व्यवस्था का रूप ले चुका है,पिछले कुछ वर्षों में करोड़ों रुपये पंचायतों को एजेंसी बनाकर खर्च हुए,अधिकांश कार्य बिना खुली निविदा के हुए, वही पुराने ठेकेदार हर बार सामने आए और हर बार जवाब मिला सब नियमों के अनुसार है।

जहां सड़क चौड़ीकरण होना है,वहीं लाइट लगाने की तैयारी!

भ्रष्टाचार जब जल्दबाजी में किया जाए तो विवेक छुट्टी पर चला जाता है, ऐसा ही हुआ खरवत से जमगहना मार्ग, जो वर्षों से सड़क चौड़ीकरण की मांग पर है उसी सड़क किनारे नई-नई लाइटें लगाने की तैयारी कर दी गई, स्थानीय लोगों ने पूछा जब सड़क चौड़ीकरण होगा तो ये लाइटें उखड़ेंगी या दोबारा लगेंगी? जवाब किसी के पास नहीं था।

जनता बोली, विधायक जागे

जिला मुख्यालय के नागरिकों ने जब यह मुद्दा उठाया और क्षेत्रीय विधायक को बताया कि यह तो सीधे-सीधे सरकारी पैसे की खुदाई है, तब जाकर विधायक ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए, सड़क चौड़ीकरण तक यह कार्य रोकने को कहा सूत्रों के अनुसार, इस मार्ग से लगी पंचायतों में काम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है।

लेकिन बाकी पंचायतों में 'उजाला' अब भी जारी

जहां सड़क चौड़ीकरण का बहाना नहीं है वहां लाइटें धड़ल्ले से लग रही हैं दर वही ?66,000, एजेंसी वही पंचायत, ठेकेदार वही पसंदीदा यानी एक सड़क बच गई, बाकी पंचायतें अब भी उजाले में नहा रही हैं, 20 हजार की लाइट, 66 हजार का उजाला,बाजार में जो लाइट बीस हजार की है,वही पंचायत की फाइल में बन जाती है चौहत्तर हजार की,अब कोई पूछे इतनी महंगी क्यों? तो जवाब तैयार है यह हाइब्रिड है। हाँ, बिल्कुल सही, इसमें आधी बिजली और आधा भ्रष्टाचार चलता है।

डीएमएफ का नया फुल फॉर्मः 'डिस्ट्रिक्ट मलाई फंड'–

कोरिया की हाइब्रिड लाइट में चमकता लोकतंत्र, कहते हैं अंधेरा वहां होता है जहां रोशनी नहीं होती, लेकिन कोरिया जिले में अंधेरा अब रोशनी में हो रहा है,वो भी हाइब्रिड एसी/डीसी लाइट की जगमगाहट में,यह लाइट कोई साधारण लाइट नहीं है,यह बिजली से नहीं,डीएमएफ से चलती है।

उजाले में किया गया अंधेरा

कोरिया जिले में डीएमएफ मद का यह मामला साबित करता है कि भ्रष्टाचार अब अंधेरे में नहीं, बल्कि हाइब्रिड लाइट की रोशनी में किया जा रहा है, जहां विकास होना था,वहां अब सिर्फ बिल चमक रहे हैं, यदि समय रहते विशेष ऑडिट,तकनीकी जांच,दरों का तुलनात्मक मूल्यांकन और उच्चस्तरीय जांच नहीं हुई, तो डीएमएफ का अर्थ जिले में यही रह जाएगा–District Mineral Fund नहीं, District Money FlowÐ और जब अगली बार गांव में लाइट जले,तो याद रखिए–यह उजाला बिजली से नहीं,जनता की जेब से आया है।

राजनीतिक व्यंग्य कॉलम
(जनहित में जारी,व्यंग्य मात्र)

कोरिया के मेधावी छात्रों को राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के कर-कमलों से मिला सम्मान

-संवाददाता-
कोरिया,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
कोटिया जिले के होनहार छात्र सिद्धांत सिंह एवं आनंद प्रकाश कुमार सिंह को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रदेश के राज्यपाल रमेन डेका,मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के कर-कमलों से सम्मानित किया गया।
दोनों छात्र आदर्श सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बैकुंठपुर के विद्यार्थी हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल परीक्षा 2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ग्रामीण अंचल का नाम प्रदेश स्तर पर रोशन किया, छात्रों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिवार, शिक्षकों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है।

शिक्षा विभाग के प्रयासों से बढ़ा परिणाम

उल्लेखनीय है कि कोटिया जिले में विगत दो वर्षों से जिला प्रशासन के निर्देशन में शिक्षा विभाग द्वारा मिशन संकल्प का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आ रहे हैं, वर्ष 2025 में कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 92 प्रतिशत रहा, वहीं कक्षा 12वीं में 93 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर जिले को राज्य में उत्कृष्ट स्थान दिलाया।

लगातार बेहतर हो रहा शैक्षणिक स्तर

मिशन संकल्प के प्रभाव से जिले में शिक्षा का स्तर निरंतर सुदृढ़ होता जा रहा है,वर्तमान सत्र में भी बोर्ड परीक्षाओं को लेकर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और प्रतिबद्धता देखने को मिल रही है,इस अवसर पर कलेक्टर चन्दन त्रिपाठी ने मेधावी छात्र सिद्धांत सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया

-संवाददाता-
कोरबां,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
कोरबा जिले के सुभाष चौक, निहारिका में सुभाष चंद्र बोस की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नेताजी की प्रतिमा पर उपस्थित लोगों द्वारा माल्यार्पण किया गया तथा मोमबत्ती जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान नेताजी के विचारों और देशप्रेम को स्मरण करते हुए जयंती की खुशी में मिठाई का वितरण भी किया गया। आयोजन में शहर के कई बंगबंधुगण उपस्थित रहे और सभी ने नेताजी के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर कोरबा बंग समाज के महासचिव अधिवक्ता श्यामल मल्लिक,अनिमेष गांगुली,संजय दुबे,एस.के. मुखोपाध्याय,अशोक गोस्वामी, तनमय गांगुली,कमल सर्वविद्या, अमित बैनर्जी,राजा मुखर्जी, रजत कर,अमलान दत्ता,सुवेंदु शीट सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

साइबर ठगों से बचने और यातायात नियमों के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

-संवाददाता-
खड़गवां,23 जनवरी 2026 (घटती-घटना)।
पुलिस आपके द्वार साइबर ठगों से बचने और यातायात नियमों के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक ग्राम पंचायत आमाडांड सरपंच पारा में लगा 'चलित थाना', पुलिस ने ग्रामीणों को सिखाए सुरक्षा के गुर आमाडांड ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और जनता के बीच पुलिस की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से गांव आमाडांड में 'चलित थाना' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में न केवल ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं, बल्कि उन्हें आधुनिक दौर के अपराधों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक भी किया गया।
कार्यक्रम के दौरान थाना खड़गवां पुलिस स्टॉफ ने वर्तमान में बढ़ते साइबर फ्रॉड पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ग्रामीणों को विस्तार से समझाया कि किसी भी अनजान व्यक्ति का फोन आने पर किसी प्रकार की कोई जानकारी या अपना (ओटीपी) साझा ना करें। लालच देने वाले फोन कॉल्स और फर्जी लिंक से सावधान रहें साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर का उपयोग करें।

यातायात जागरूकता और राहगीर योजना

खड़गवां थाना प्रभारी सुनील तिवारी ने सड़क सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि हेलमेट पहनना और यातायात नियमों का पालन करना क्यों अनिवार्य है। साथ ही, 'राहवीर योजना' की जानकारी देते हुए बताया गया कि दुर्घटना के

समय घायलों की मदद करने वाले नागरिकों को पुलिस द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि किसी की जान बचाई जा सके।

डिजिटल पुलिसिंगः सिटीजन सेंटिनल का उपयोग

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को 'सिटीजन सेंटिनल' ऐप के बारे में डेमो देकर जानकारी दी। ग्रामीणों को बताया गया कि कैसे वे सजग नागरिक बनकर अपराधों की सूचना सीधे पुलिस तक पहुँचा सकते हैं और पुलिस के आंख-कान बन सकते हैं। हमारा उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच की दूरी को कम करना है। चलित थाने के माध्यम से हम सीधे आप तक पहुँच रहे हैं ताकि आप सुरक्षित महसूस करें और अपराध मुक्त समाज बनाने में सहयोग दें। इस अवसर पर थाना प्रभारी खड़गवां सुनील तिवारी,अधीनस्थ पुलिसकर्मी और ग्राम सरपंच पंच ग्राम आमाडांड के जागरूक नागरिक उपस्थित रहे।

न्यायालय तहसीलदार अबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202601020700036

विषयः-अ-27 मामले की श्रेणीः- राजस्व सन्ः-2025-26
नमना कला प.ह.न. 00020
[2/36(0.028)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - दीपक,ननकी,प्यारे लाल,विशाल, मु.दयामंती, रमकुइया,शंकर प्रीति प्रिया, सनकुईया,सरीता,सुशीला,
अनावेदक पक्षकार -दीपक,ननकी, प्यारे लाल,विशाल,मु. दयामंती, रमकुइया, शंकर प्रीति प्रिया, सनकुईया, सरीता, सुशीला,

ईश्तहार

आवेदक रमकुईया पिता स्व0 बरन, निवासी पटपरिया, नमनाकला, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 2/36 रकबा 0.156 हे0 भूमि को अनावेदकगण द्वारा बिक्री किये गये भूमि को उनके हिस्से में समाहित करते हुये उभयपक्ष के मध्य में बटवारा किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।

सील
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर ,जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

कमांक/1840 /वाचक-2/2025
सूरजपुर दिनांक 22/01/2026

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम गेतरा प0ह0नं0........ तहसील...सूरजपुर जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक गणेश राम पिता/पति रामदीन राम जाति गोड़ निवासी ग्राम गेतरा पोस्ट केतका थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने दादा बासु राम पिता भजन राम मृत्यु तिथि 10/12/1994 स्थान गेतरा के जन्म/मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।
अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को को दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वयं अथवा अपनें अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 07/02 /2026 दिन को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नही किया जायेगा।
आज दिनांक 22 /01 /2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
उप तह0मानी
सील जिला सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर ,जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 9/01/2026

प्रति,
समस्त ग्रामवासी,
ग्राम...कोसंगा
तहसीलदार-लखनपुर

एतद् द्वारा आज जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका आनंद आ0 रिधु राम निवासी ग्राम कोसंगा तहसील लखनपुर के द्वारा अपने माँ स्व0 सोनमेत की मृत्यु दिनांक 20/02/2009 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज) नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत् मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक ..... को सुनवाई की जानी है।
आवेदक/ आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 04/02/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई नहीं किया जायेगा।

तहसीलदार
लखनपुर
सील जिला सरगुजा,छ0ग0

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) सूरजपुर, जिला- सूरजपुर (छ0ग0) संयुक्त जिला कार्यालयः: भू-तल, कक्ष क्रमांक जी3, जिला- सूरजपुर (छ.ग.)

E-Mail ID - actwsurajpur@gmail.com

सूरजपुर, दिनांक - 21.01.26

क्रमांक / 3563/एकलव्य / आ.वि. /2025-26 आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास ब्लॉक 4डी,भूतल, इन्द्रावती भवन नवा रायपुर का पत्र क्रमांक / श्रस्क्र /च-39/2025-26/11055 नवा रायपुर दिनांक 06.01.2026 द्वारा दिये गये निर्देशानुसार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में शिक्षण सत्र 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु दिनांक 08.01.2026 से ऑनलाईन आवेदन प्रारंभ किया गया है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (NESTS) नई दिल्ली द्वारा जारी प्रवेश दिशा-निर्देश 2026-27 का अवलोकन करते हुये प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन एकलव्य विद्यालयों की वेबसाईट eklavya.cg.nic.in पर किया जा सकता है।

क्रमांक	विवरण	तिथि
01	वेबसाईट में ऑनलाईन आवेदन प्रारंभ की तिथि	दिनांक 07 फरवरी 2026 तक
02	ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि	दिनांक 07 फरवरी 2026 तक
03	ऑनलाईन भरे गये आवेदन में त्रुटि सुधार की तिथि	दिनांक 08 फरवरी 2026 से 10 फरवरी 2026 तक
04	प्रवेश परीक्षा की तिथि	दिनांक 01 मार्च 2026

जी नंबर-252606226/1
कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, मनेन्द्रगढ़,

हाईवे की नाली तोड़कर निर्माण अब किस अधिकारी की होगी जवाबदेही?

प्रशासनिक अनदेखी:नेशनल हाईवे किनारे सरकारी नाली तोड़कर निजी निर्माण,नियमों की उड़ रहीं धज्जियां

राष्ट्रीय राजमार्ग पर खुलेआम कानून का उल्लंघन, अधिकारी बने मूकदर्शक

नाली तोड़कर निर्माण से बढ़ा हादसे का खतरा,मानसून में हो सकता है बड़ा नुकसान

एनएच की नाली तोड़कर निजी रास्ता,रसूखदारों के आगे नियम बेबस

सरकारी नाली तोड़ना गंभीर अपराध,फिर भी धड़ल्ले से जारी निर्माण

मंगल भवन के सामने हाईवे पर मनमानी,नागरिकों ने उठाई एफआईआर की मांग...

क्या है पूरा मामला...

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग से सटी हुई एक सरकारी जल निकासी नाली,जो वर्षा जल की निकासी के लिए वर्षों पूर्व बनाई गई थी, उसे कुछ रसूखदार लोगों द्वारा जेसीबी मशीन और भारी उपकरणों से तोड़ दिया गया,नाली को क्षतिग्रस्त कर उसके ऊपर पक्का निर्माण कराया जा रहा है ताकि निजी भूमि तक सीधे प्रवेश का रास्ता बनाया जा सके,यह कार्य न तो किसी स्वीकृत नक्शे के तहत किया जा रहा है और न ही इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से किसी प्रकार की अनुमति ली गई है,स्थानीय लोगों का कहना है कि यह निर्माण कई दिनों से जारी है, लेकिन अब तक किसी भी अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर कार्य रुकवाने की कोशिश नहीं की।

सरकारी संपत्ति को पहुंचाया गया भारी नुकसान

जिस नाली को तोड़ा गया है वह वर्षा जल निकासी की मुख्य व्यवस्था का हिस्सा थी, हाईवे की संरचना को सुरक्षित रखने के लिए बनाई गई थी,सड़क को जलभराव से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभती थी, नाली के टूटने से अब पानी की निकासी बाधित हो गई है, जिससे आगामी मानसून में हाईवे पर जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

हो सकता है बड़ा हादसा

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जल निकासी अवरुद्ध हुई तो बारिश के समय सड़क पर पानी जमा होगा,डामर की परत तेजी से खराब होगी,तेज रफ्तार वाहनों के फिसलने का खतरा बढ़ेगा,सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाएगी,नेशनल हाईवे जैसे व्यस्त मार्ग पर इस प्रकार की लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,23 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

नेशनल हाईवे के किनारे सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर बनाए गए नियम अब कागजों तक ही सीमित होते नजर आ रहे हैं,ताजा मामला मनेन्द्रगढ़ नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 4,मंगल भवन के सामने का है,जहां खुलेआम सरकारी नाली को तोड़कर निजी जमीन तक रास्ता बनाने के उद्देश्य से अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है,सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह पूरा निर्माण कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग जैसे संवेदनशील क्षेत्र में हो रहा है,इसके बावजूद संबंधित विभागों की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। नेशनल हाईवे जैसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना केवल कानून का उल्लंघन नहीं,बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ है,यदि समय रहते इस मामले में कठोर कार्रवाई नहीं हुई,तो यह न केवल भविष्य के लिए गलत उदाहरण बनेगा,बल्कि किसी बड़े हादसे की वजह भी बन सकता है,अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेता है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

इन कानूनों के तहत बनता है गंभीर अपराध

कानून के जानकारों के अनुसार,राष्ट्रीय राजमार्ग की किसी भी संरचना को नुकसान पहुंचाना गंभीर दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

राष्ट्रीय राजमार्ग (भूमि एवं यातायात) अधिनियम, 2002

धारा 24 से 27 के तहत
राजमार्ग भूमि पर अतिक्रमण या संरचना को क्षति पहुंचाना अपराध
भारी जुर्माना,निर्माण ध्वस्तीकरण और बेदखली का प्रावधान

सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984

धारा 3 के अंतर्गत
सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर
5 वर्ष तक का कारावास और जुर्माना संभव

भारतीय न्याय संहिता (पूर्व IPC धारा 431)

सार्वजनिक सड़क,नाली या पुल को नुकसान पहुंचाकर उसे असुरक्षित बनाना
संज्ञेय अपराध की श्रेणी में शामिल इसके बावजूद मौके पर न तो पुलिस कार्रवाई दिखी और न ही विभागीय हस्तक्षेप।

मुख्य मार्ग होने के बावजूद प्रशासन मौन

स्थानीय नागरिकों में इस बात को लेकर गहरा रोष है कि यह स्थान शहर का प्रमुख मार्ग है,दिन-रात भारी वाहनों की आवाजाही रहती है,इसके बावजूद अवैध निर्माण खुलेआम किया जा रहा है,लोगों का सवाल है कि यदि यह काम किसी आम नागरिक द्वारा किया गया होता,तो क्या प्रशासन इतनी चुप्पी साधे रहता?

अधिकारियों का पक्ष

इस पूरे मामले को लेकर जब राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों से संपर्क किया गया, तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच कराई जाएगी और यदि अवैध निर्माण पाया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी,हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल जांच का आश्वासन अब पर्याप्त नहीं, बल्कि तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि...

- अवैध निर्माण को तुरंत रोका जाए
- तोड़ी गई सरकारी नाली को पूर्ववत स्थिति में बहाल किया जाए
- दोषियों पर एफआईआर दर्ज की जाए
- संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच हो लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में हाईवे किनारे अतिक्रमण की ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी।

प्रश्न जो अब उठ रहे हैं...

- बिना अनुमति जेसीबी कैसे लगी?
- निर्माण सामग्री किसके संरक्षण में डाली गई?
- स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका की जानकारी में यह कार्य क्यों नहीं आया?
- क्या रसूखदारों के दबाव में नियमों को नजरअंदाज किया जा रहा है? इन सवालों के जवाब अब प्रशासन को सार्वजनिक रूप से देने होंगे।

सोनहत में स्वास्थ्य सेवा की नई अलख

श्री महावीर हॉस्पिटल और आरोग्य क्लिनिक के सहयोग से लगा विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

-संवाददाता-
सोनहत,23 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

वनांचल क्षेत्र सोनहत के ग्रामीणों के लिए आज का दिन राहत और उम्मीद की नई किरण लेकर आया। सामुदायिक भवन सोनहत में आरोग्य मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक के तत्वावधान में अंबिकापुर के सुप्रसिद्ध श्री महावीर हॉस्पिटल सुपर स्पेशलिटी सेंटर के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया,इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को उनके घर के समीप ही आधुनिक और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा।

विशेषज्ञों ने दी सेवाएं, घर के पास मिला उच्च स्तरीय उपचार- आमतौर पर गंभीर बीमारी के इलाज हेतु अंबिकापुर या अन्य बड़े शहरों की दौड़ लगाने वाले सोनहत क्षेत्र

के मरीजों को इस शिविर के माध्यम से अपने ही क्षेत्र में अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं प्राप्त हुई, श्री महावीर हॉस्पिटल के वरिष्ठ डॉक्टरों ने मरीजों की विस्तारपूर्वक जांच कर उचित परामर्श दिया तथा आगे के इलाज के लिए मार्गदर्शन भी किया।

इनका कहना है...

हमारा उद्देश्य सोनहत क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है, श्री महावीर हॉस्पिटल के सहयोग से हम उन मरीजों तक पहुंच सके जिन्हें वास्तव में विशेषज्ञ सलाह की आवश्यकता थी।÷

— डॉ. भुवन भास्कर साहू
आरोग्य मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक, सोनहत

भारी संख्या में मरीजों की उपस्थिति-

सोनहत विकासखंड के दूर-दराज गांवों से सैकड़ों ग्रामीण स्वास्थ्य लाभ लेने पहुंचे।

आरोग्य मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक की सराहनीय पहल

क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार हेतु आरोग्य मल्टीस्पेशलिटी क्लिनिक की इस पहल की स्थानीय स्तर पर व्यापक सराहना की जा रही है। ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे शिविर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए वरदान साबित होते हैं, जो महंगे निजी अस्पतालों में इलाज कराने में असमर्थ रहते हैं।

मरीजों के चेहरों पर दिखी संतुष्टि और मुस्कान

शिविर में आए बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने समय पर जांच, परामर्श एवं दवा मिलने पर संतोष व्यक्त किया। आयोजन ने यह संदेश दिया कि यदि प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और निजी संस्थान मिलकर प्रयास करें, तो वनांचल के अंतिम व्यक्ति तक भी आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाई जा सकती हैं।

शिविर की प्रमुख विशेषताएं

निःशुल्क चिकित्सा परामर्श- हृदय रोग, हड्डी रोग, स्त्री रोग सहित अन्य सुपर स्पेशलिटी विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच।

जांच एवं परीक्षण सुविधा- बीपी, शुगर एवं अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण मौके पर ही निःशुल्क किए गए।

निःशुल्क दवा वितरण- परामर्श के पश्चात मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी बिना किसी शुल्क के प्रदान की गईं।

आत्मानंद विद्यालय पंप हाउस में यातायात जागरूकता कार्यक्रम हुआ संचालित

-संवाददाता-
कोरबा,23 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

कोरबा जिले के आत्मानंद विद्यालय पंप हाउस परिसर में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यालय की प्रिंसिपल प्रभा सिंह, गणमान्य नागरिक वक्ति राम,किशोर यादव (पूर्व पार्षद),विद्यालय के छात्र-छात्राएं सहित लगभग 250 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान एएसआई मनोज राठौर ने उपस्थित विद्यार्थियों और नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, गति सीमा का पालन, मादक द्रव्य पदार्थो का सेवन कर नशे में वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन न चलाने तथा सड़क पार करते समय सावधानियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। एएसआई श्री राठौर ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह यातायात नियमों का पालन करे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करे। विशेष रूप से विद्यार्थियों को कम उम्र से ही यातायात नियमों की जानकारी होना आवश्यक है, ताकि वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बन सकें। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने भी यातायात जागरूकता ऐसे आयोजनों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित होती है। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प लिया।

स्व. अंजनी कुमार मिश्र स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन,KCC कटकोना बनी विजेता

-संवाददाता-
कोरिया/कटकोना, 23 जनवरी 2026
(घटती-घटना)।

स्वर्गीय अंजनी कुमार मिश्र स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन बुधवार को कटकोना में हर्षोल्लास और खेल उत्साह के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला KCC कटकोना एवं पूसला वॉरियर्स के बीच खेला गया,जिसमें रोमांचक संघर्ष के बाद KCC कटकोना ने शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया, आयोजक समिति की ओर से विजेता टीम KCC कटकोना को 25,000 नगद एवं मेडल, जबकि उपविजेता पूसला वॉरियर्स को 12,500 नगद एवं मेडल प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

समापन समारोह के मुख्य अतिथि सहक्षेत्र प्रबंधक बैकुंठपुर एरिया बीएन झा रहे। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता दोनों टीमों को बधाई देते हुए कहा इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती हैं। खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का सशक्त माध्यम है।

सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मिला प्रोत्साहन

कार्यक्रम के पश्चात केशरीनंदन परिवार द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली बच्चियों को फुटबॉल खेलने हेतु जूते प्रदान किए गए, जिससे बालिकाओं के खेल प्रोत्साहन की सराहना की गई।

आयोजन की सराहना

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों एवं दर्शकों ने खेल का भरपूर आनंद लिया, आयोजन समिति ने सभी खिलाड़ियों, सहयोगकर्ताओं, अतिथियों एवं दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के खेल आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

गरिमामय उपस्थिति

कार्यक्रम में विशेष रूप से सुरेश राम (सब एरिया मैनेजर, कटकोना,एच. एन. चौबे (खान प्रबंधक, कटकोना),जॉन डूंगडूंग (कार्मिक प्रबंधक),जिला पंचायत उपाध्यक्ष वंदना राजवाड़े,जिला पंचायत सदस्य गीता राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य व पूर्व जनपद अध्यक्ष सौभाग्यवती सिंह, जनपद सदस्य संगीता सोनवानी, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष शैलश शिवहरे, जनपद अध्यक्ष उदय सिंह, सरपंच शिप्रा नायक, सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्राम पंचायत कटकोना के पंच, पूर्व सरपंच लक्ष्मण नायक, ओमप्रकाश सिंह, कमलेश गुप्ता, जयप्रकाश साहू, प्रदीप द्विवेदी, देवेंद्र गौतम, दिनेश यादव, स्व. अंजनी कुमार मिश्र के परिजन एवं केशरीनंदन परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

समारोह के दौरान ग्राम सुरता से आई करमा व शैला टीम, तथा पुटा व कटकोना की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम संचालन स्वागत उद्बोधन:योगेंद्र मिश्रा व मंच संचालन:मुकेश गुप्ता ने किया।

अभिषेक फूट-फूटकर रोए, दुःखी थीं रानी मुखर्जी

करण ने 20 साल बाद बताया एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर वाली फिल्म का सच...

करण जौहर की विवादास्पद फिल्म कभी अलविदा ना कहना बेवफाई के संवेदनशील विषय पर आधारित थी। इस फिल्म में शाह रुख खान, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन और प्रीति जिंटा ने काम किया था। हाल ही में करण ने बताया कि शूटिंग के दौरान कलाकार अपने किरदारों में इतने गहरे डूब गए थे कि वे भावनात्मक रूप से प्रभावित हुए।

कभी अलविदा ना कहना करण जौहर के करियर की सबसे बोल्ड और विवादास्पद फिल्मों में से एक रही है। फिल्म ने बेवफाई जैसे कठिन विषय को उठाया गया है। हम बात कर रहे हैं साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म कभी अलविदा न कहना की। इसमें अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन और प्रीति जिंटा जैसे बड़े सितारे ने काम किया था। इस फिल्म की कहानी करण जौहर की फिल्म मेकिंग स्टाइल से कुछ अलग हटकर थी।

एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर पर थी फिल्म की कहानी

अब हाल ही में रानी मुखर्जी के साथ बातचीत में करण जौहर ने शूटिंग के दौरान आए चैलेंजेस पर बात की और बताया कि कैसे इसमें काम करने वाले कलाकार भी इससे प्रभावित हुए। इस फिल्म की कहानी शादीशुदा जोड़ों पर आधारित थी जो एक-दूसरे के साथ खुश नहीं रहते है। उसके बाद फिल्म में शाह रुख और रानी का एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर शुरू हो जाता है।

किरदार में डूब गई थीं प्रीति जिंटा

करण जौहर ने यहां पर स्पेशली प्रीती जिंटा के किरदार पर बात की। निर्माता ने कहा, 'यह कलाकारों के लिए बहुत गहरा अनुभव था, क्योंकि मैंने महसूस किया कि सभी किरदार-देव, माया, ऋषि और रिया सब अपने किरदारों में पूरी तरह डूब गए थे। एक समय तो मुझे प्रीति से कहना पड़ा कि यह असल में नहीं हो रहा है, हम एक फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। वह बोलीं, 'लेकिन वह मुझे धोखा क्यों दे रहा है?' तो मैंने कहा, 'वह तुम्हें धोखा नहीं दे रहा, यह किरदार है।'

हर किसी के साथ एक ही कहानी

करण ने बताया कि इसके अलावा अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी पर भी इसका प्रभाव पड़ा। अभिषेक एक समय सेट पर फूट-फूटकर रोने लगे थे। इस पर बात करते हुए करण जौहर ने कहा कि उन्हें आज भी याद है कि अभिषेक एक इमोशनल सीन को शूट करते समय बुरी तरह रोने लगे। वही रानी मुखर्जी भी बहुत ज्यादा उदास और मायूस सी दिखाई दे रही थीं। करण ने कहा कि तब मुझे एहसास हुआ कि हर कोई किसी न किसी मुश्किल से गुजर रहा है। फिल्म एक जमीनी हकीकत और भावात्मक हकीकत के बारे में बात करती है।

बॉर्डर 2 का खूंखार विलेन रियल लाइफ में है हैंडसम हंक

वरुण धवन से किए दो-दो हाथ, पाकिस्तानी फौजी बनकर भी जीत रहा दिल

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार दर्शकों का सब्र खत्म हुआ और सनी देओल स्टारर बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2 ने बड़े पर्दे पर दस्तक दे दी है। अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी यह भव्य वॉर ड्रामा, जेपी दत्ता की आइकॉनिक फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है। देशभक्ति, जंग और इमोशन से भरपूर इस फिल्म को लेकर रिलीज से पहले ही जबरदस्त माहौल बना हुआ था। माना जा रहा है कि वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे सितारों की मौजूदगी के चलते यह फिल्म साल की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस ओपनिंग दर्ज कर सकती है।

कौन है फिल्म का विलेन?

फिल्म में सनी देओल एक बार फिर अपने दमदार और जोशीले अवतार में नजर आ रहे हैं, वहीं युवा कलाकारों ने भी कहानी को नई ऊर्जा दी है। इन सबके बीच एक ऐसा नाम भी सामने आया है, जिसने अपनी दमदार मौजूदगी से दर्शकों का ध्यान खींचा है अली मुगल। बॉर्डर 2 में अली मुगल ने एक पाकिस्तानी ऑफिसर का किरदार निभाया है, जो कहानी में एक अहम मोड़ लेकर आता है। अली का रोल भले ही नेगेटिव हो, लेकिन उनकी परफॉर्मेंस फिल्म को और ज्यादा रियल और इंटेंस बनाती है।

अली मुगल ने हाल ही में फिल्म के सबसे चर्चित एक्शन सीक्वेंस में से एक को लेकर खुलकर बात की है। यह सीन वरुण धवन के साथ उनका करीब तीन मिनट लंबा फाइट सीक्वेंस है, जिसे शूट करना उनके करियर की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रहा। एक इंटरव्यू में अली ने बताया कि यह फाइट सीन जितना स्क्रीन पर दमदार लगता है, उतना ही मुश्किल इसके पीछे की तैयारी थी।

अली ने इस रोल के लिए की कड़ी मेहनत

उनके मुताबिक इस एक्शन सीन के लिए उन्हें महीनों तक मेहनत करनी पड़ी। अली ने कहा कि उन्होंने एक्शन डायरेक्टर द्वारा तैयार की गई कोरियोग्राफी को बार-बार रिहर्स किया। फाइट टीम के साथ लगातार प्रैक्टिस की गई ताकि हर मूव बिल्कुल सटीक हो। शूटिंग से पहले वह लोकेशन बबीना पहुंच गए थे और वहां 2 से 3 दिन तक सिर्फ रिहर्सल ही करते रहे। वजह साफ थी तीन मिनट का यह सीन ऐसा था, जिसमें एक भी गलती भारी पड़ सकती थी। अली बताते हैं कि तीन मिनट की कोरियोग्राफी को याद रखना आसान नहीं था। उन्होंने करीब तीन महीने तक हर मूव को दिमाग में बैठाए रखा, ताकि शूट के वक्त किसी तरह की कन्फ्यूजन न हो।

5 अफेयर, 1 शादी और 4 बार टूटी सगाई, क्रिकेटर के प्यार में थीं दीवानी, बोल्डनेस में कहर ढाती हैं 46 साल की ये एक्ट्रेस

वो दौर साल 2000 का था, जब हिंदी सिनेमा में नई हीरोइनें आकर अपने कदम जमा रही थी और कोशिश महज इतनी ही थी कि कैसे भी करके अब सिनेमा के रुपहले पर्दे पर राज किया जाए। ये वो दौर था जब माधुरी दीक्षित, जूही चावला और श्रीदेवी जैसी अभिनेत्रियां अपनी सफल पारियां खेल चुकी थीं और इसी बीच एक ऐसी फिल्म आई जिसमें शाहरुख खान दिखे और इसी फिल्म में आई ये हसीना, जिसने आते ही सबको अपना दीवाना बना दिया और लोग उससे मोहब्बतें करने पर मजबूर हो गए।

मोहब्बतें से छा गईं किम शर्मा

फिल्मों में आने से पहले किम शर्मा मुंबई की एक जानी-मानी मॉडल थीं और कई विज्ञापनों का हिस्सा रह चुकी थीं। साल 2000 में यशराज फिल्म्स की एक ऐसी फिल्म आई जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई और इस फिल्म का नाम था मोहब्बतें। इसी फिल्म से बॉलीवुड में कई नए सितारों की भी एंट्री हुई और इन्हीं में से एक थीं किम शर्मा। वही किम शर्मा जिन्होंने फिल्म मोहब्बतें संजना का किरदार निभाया और इस चुलबुले किरदार से वो लोगों के दिलों में बस गईं। फिल्म मोहब्बतें की लंबी चौड़ी स्टारकास्ट थी, जिसमें शाह रुख खान, अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय, उदय चोपड़ा, शमिता शेट्टी, प्रीति झिंगियानी, जिमी शेरगिल और जुगल हंसराज नजर आए थे। फिल्म में अमरीश पुरी और अनुपम चोपड़ा के साथ अर्चना पूरन सिंह भी थीं। भले ही ये फिल्म मल्टीस्टारर थी, लेकिन इससे किम शर्मा के करियर की गाड़ी तो चल ही पड़ी थी। इसके बाद उन्होंने नहले पे दहला, फिदा और मनी है तो हनी है तुमसे अच्छा कौन है समेत कई फिल्मों में काम किया, लेकिन मोहब्बतें जैसा जादू दोबारा नहीं चल पाया और ना ही किम को वो स्टारडम हासिल हुआ।

एक्टिंग छोड़ रचा ली थी शादी

किम के करियर में यूं तो कई फिल्मों का योगदान रहा लेकिन मोहब्बतें जैसा मैजिक क्रिएट नहीं हो पाया। सैफ अली खान के साथ भी उन्होंने लक आजमाया पर अफसोस दर्शकों ने इस जोड़ी को नकार दिया। हालांकि उन्होंने फिल्म तुमसे अच्छा कौन है में जब काम किया तो इस फिल्म के गाने ब्लॉकबस्टर रहे और फिल्म में किम के निगेटिव किरदार की तारीफें भी हुई। साल 2010 में किम ने मरेगया गुड़ खाके के बाद बॉलीवुड से दूरी ही बना ली। किम ने इस केन्या के बिजनेसमैन अली पुंजानी से शादी कर ली और केन्या जाकर शिफ्ट हो गई, हालांकि इस शादी में मोड़ तब आया जब किम मुंबई लौटकर आ गई और 2017 में तलाक की अर्जी दायर कर दी। कहा जाता है कि किम उस वक्त आर्थिक तंगी का भी शिकार हुई थीं।

युवराज सिंह से 4 बार हुई थी किम की सगाई?

किम की लाइफ उनकी फिल्मों से ज्यादा अफेयर्स के चलते खूब चर्चा में रही। किम शर्मा सबसे पहले क्रिकेटर युवराज सिंह से अफेयर को लेकर चर्चा में आई थीं। दोनों का अफेयर करीब 4 साल तक चला और फिर साल 2007 में ब्रेकअप हो गया। बताया गया कि युवराज की मां को किम पसंद नहीं थीं, वो नहीं चाहती थीं कि किम उनके घर की बहू बनें। जी हां, खबरें थीं कि किम और युवराज शादी करने वाले हैं, लेकिन बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया और युवराज ने अपनी मां की बात मानी। कहा तो ये भी गया कि किम ने युवी से चार बार सगाई की थी लेकिन बाद में ये रिश्ता ही खत्म हो गया। युवराज के बाद किम की लाइफ में विदेशी मुंडे की एंट्री हुई। कहा जाता है कि किम ने स्पेनिश ब्वॉयफ्रेंड कॉर्लोस मार्टिन को डेट किया और दोनों शादी भी करने वाले थे लेकिन दोनों की सगाई टूट गई।

किम ने तलाक के बाद फैशन डिजाइनर अर्जुन खन्ना को भी डेट किया था। कहा जाता है कि किम और अर्जुन कुछ वक्त एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में रहे लेकिन अफसोस इस रिश्ते ने भी दम तोड़ दिया।

हर्षवर्धन राणे से लेकर लिएंडर पेस से जुड़ा नाम

किम मुंबई वापस आई तो कहा गया कि वो कंगाल हो गई हैं। उनके एक्स हसबैंड ने एक दूसरी महिला की खातिर उन्हें छोड़ दिया और मुंबई में आकर वो नौकरी की तलाश कर रही हैं। हालांकि बाद में किम ने इन खबरों को सरासर गलत बताया था। इसी बीच किम का नाम एक्टर हर्षवर्धन राणे के साथ जुड़ा। दोनों का प्यार सोशल मीडिया पर खूब नजर आया लेकिन साल 2019 में किम और हर्षवर्धन का ब्रेकअप हो गया। हालांकि पिछले काफी वक्त से किम शर्मा का नाम टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस से जुड़ रहा था। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ तस्वीरें पोस्ट करते रहते थे। हालांकि पिछले दिनों ही खबर आई कि दोनों का रिश्ता खत्म हो गया है।

खेल समाचार

गिल की कप्तानी में पंजाब दो दिन में हारा

- सौराष्ट्र 194 रन से जीता
- सरफराज का दोहरा शतक
- 19 चौके और 9 सिक्स लगाए

नई दिल्ली, 23 जनवरी 2026। रणजी ट्रॉफी के छठे राउंड के दूसरे दिन शुभमन गिल की कप्तानी वाली पंजाब टीम को सौराष्ट्र के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। टर्निंग पिच पर खेले गए इस मुकाबले में पंजाब दूसरी पारी में सिर्फ 125 रन पर सिमट गई। पहली पारी की बढ़त के दम पर सौराष्ट्र ने 194 रन से मैच जीत लिया और दो दिन के भीतर ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। उधर, मुंबई के लिए सरफराज खान ने दोहरा शतक लगा दिया। उन्होंने 227 रन की जबरदस्त पारी खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ मुंबई को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सरफराज ने पारी में 19 चौके और 9 सिक्स भी लगा दिए।

गिल फिर सस्ते में आउट

सौराष्ट्र ने पंजाब के खिलाफ दो दिन में मुकाबला खत्म किया। दूसरी पारी में पार्थ भुट और धर्मेंद्रसिंह जडेजा ने पांच-पांच विकेट लिए। सौराष्ट्र ने पहली पारी में 33 रन की बढ़त लेने के बाद दूसरी पारी में 286 रन बनाए, जबकि स्कोर 75/5 तक गिर चुका था। 319 रन का लक्ष्य पंजाब के लिए टर्नर पर असंभव साबित हुआ और टीम 125 पर सिमट गई। शुभमन गिल का यह मैच खराब रहा और उन्होंने 0 व 14 रन बनाए।

झारखंड ने 561 रन बनाए

अन्य मुकाबलों में झारखंड ने उत्तर प्रदेश के खिलाफ पहली पारी में 561 रन बनाकर दबदबा बना लिया। बंगाल ने सर्विसेज के सामने 519 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। मध्य प्रदेश के खिलाफ कर्नाटक की टीम संघर्ष करती नजर आई, जबकि छत्तीसगढ़ ने दिल्ली के खिलाफ खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा लिया है। ओडिशा के खिलाफ तमिलनाडु ने भी मैच पर मजबूत पकड़ बना ली है। बेहतरीन गेंदबाजी के बाद तमिलनाडु ने स्टंप्स तक कुल 164 रन की बढ़त हासिल कर ली, जिससे उसकी जीत की राह आसान होती दिख रही है।

विदर्भ से यश का शतक

विदर्भ के यश राठौड़ के शतक से टीम ने 45/4 से उबरते हुए आंध्र के खिलाफ 295 रन बनाए। राठौड़ ने 115 रन की पारी खेली, जबकि निचले क्रम में दर्शन नालकंडे (36) और नचिकेत भुटे के योगदान से विदर्भ को पहली पारी में 75 रन की बढ़त मिली।

सरफराज खान का दोहरा शतक मुंबई के लिए सरफराज खान ने 227 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 19 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। यह पारी लगभग रन-ए-बॉल से भी तेज रही। सिद्धेश लाड ने शतक लगाया, जबकि सुवेद पारकर ने 75 रन जोड़े। जवाब में हैदराबाद की शुरुआत खराब रही, लेकिन गहलौत सिंह और कोडिमेला हिमतेजा ने पारी संभाली।

चंडीगढ़ को बढ़त

मनन वोहरा और अर्जुन आजाद के शतकों से चंडीगढ़ ने केरल के खिलाफ बड़ी बढ़त बना ली। पहली पारी में 277 रन की लीड लेने के बाद केरल को 257 रन और बनाने थे, लेकिन वह 21/2 पर फंस गया और पारी से हार का खतरा मंडराने लगा।

ऋतुराज ने 66 रन बनाए

ऋतुराज गायकवाड के 111 गेंदों में 66 और सौरभ नवल के नाबाद 95 रनों से महाराष्ट्र ने गोवा के खिलाफ 97 रन की बढ़त हासिल कर ली, जबकि उसके दो विकेट शेष थे। आयुष पांडे और अग्रिम तिवारी के शतकों से छत्तीसगढ़ ने दिल्ली पर 135 रन की बढ़त बना ली। पहली पारी में दिल्ली 216 पर सिमट गई थी, जिसके जवाब में छत्तीसगढ़ 351/2 तक पहुंच गया। झारखंड ने शरणदीप सिंह (139) और कुमार कुशाग्र (102) के शतकों की मदद से 561/6 पर पारी घोषित की। चार अन्य अर्धशतक भी लगे। जवाब में उत्तर प्रदेश 32/3 पर लड़खड़ा गया।

सोनू यादव के 5 विकेट

तमिलनाडु के सोनू यादव ने 5/30 की शानदार गेंदबाजी कर ओडिशा के खिलाफ टीम को पहली पारी की अहम बढ़त दिलाई। ओडिशा 148 पर ढेर हो गई। तमिलनाडु दिन के अंत में दूसरी पारी में 26/1 रहा और कुल मिलाकर 164 रन आगे हो गया। बंगाल के लिए आकाश दीप और मोहम्मद शमी ने मिलकर पांच विकेट लिए, जिससे सर्विसेज की टीम फॉलोऑन के करीब पहुंच गई। कलाईनी में सर्विसेज 126/8 पर थी और अब भी 393 रन पीछे।

कर्नाटक के 8 विकेट गिरे

ग्रूप-बी की टॉप टीम कर्नाटक, मध्य प्रदेश के 323 रन के जवाब में 168/8 बना पाई। सारांश जैन ने तीन विकेट लिए। मयंक अग्रवाल और देवदत्त पडिक्कल खाता नहीं खोल सके, जबकि करुण नायर 12 रन ही बना पाए। अनीश केवी ने नाबाद 80 रन बनाए।

बड़ौदा 6 रन से जीता

बड़ौदा ने नागालैंड को एक पारी और छह रन से हराया। बड़ौदा की ओर से ज्योत्स्निल सिंह, शिवालिक शर्मा, क्रुणाल पंड्या और महेश पिठिया ने अर्धशतक लगाए। नागालैंड दूसरी पारी में 141 पर ढेर हो गया।

उत्तराखंड ने 128/6 से शानदार वापसी करते हुए 299/6 बनाए और त्रिपुरा पर 33 रन की बढ़त ली। जे सुचित (84)* और सौरभ रावत (80)* ने 171 रन की नाबाद साझेदारी कर मैच का रुख पलट दिया।

प्रशांत वीर को चोट लगी

लखनऊ में झारखंड ने पहली पारी में 561 रन बनाकर पारी घोषित की। जवाब में उत्तर प्रदेश की शुरुआत खराब रही और टीम 32 रन पर तीन विकेट खो बैठी। इसी मैच में उत्तर प्रदेश के प्रशांत वीर को कंधे में गंभीर चोट लगी, जिससे वह कम से कम तीन सप्ताह तक बाहर रहेंगे। उनकी जगह शिवम शर्मा को टीम में शामिल किया गया।

सिंधु ने साइना को उनके शानदार करियर के लिए बधाई दी

नई दिल्ली, 23 जनवरी 2026। भारतीय बैडमिंटन पर अपनी गहरी छाप छोड़ने वाली साइना नेहवाल ने अपने लंबे करियर को खत्म कर दिया है। ओलंपिक मेडल के साथ-साथ कई टूर्नामेंट जीतने वाली साइना कई लड़कियों के लिए प्रेरणा बनी हैं। उनमें से एक, पीवी सिंधु, अपने शानदार खेल से ऐसी खिलाड़ी बन गई हैं जिस पर देश को गर्व है। तेलुगु स्टार, जिन्होंने हाल ही में सिंगल्स में अपनी 500वीं जीत के साथ इतिहास रचा है, उन्होंने अपनी पूर्व प्रतिद्वंद्वी साइना के रिटायरमेंट पर प्रतिक्रिया दी है।

प्रकाश पादुकोण और पुलेला गोपीचंद पुरुष बैडमिंटन में दिग्गज हैं। और, महिलाओं की कैटेगरी में इतनी ऊंचाइयों पर पहुंचने वाली पहली शटलर साइना नेहवाल हैं। उन्होंने चीनी किले को तोड़ा और विजेता बनीं। उन्होंने दो बार वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती है। साइना ने 2019 में नेशनल चैंपियनशिप में सिंधु को हराया और खिताब जीता। सिंधु ने इस सीनियर खिलाड़ी को रैकेट पकड़ने और बड़ी सफलताएं हासिल करने के लिए प्रेरित करने के लिए बधाई दी। बैडमिंटन को अलविदा कहने पर साइना को बधाई। भारतीय बैडमिंटन के लिए आपकी असाधारण सेवा के लिए धन्यवाद। मैं आपके जीवन के अगले पड़ाव के लिए शांतिपूर्ण और खुशहाल जीवन की कामना करती हूं, सिंधु ने एक पोस्ट में बताया। ओलंपिक कांस्य पदक के साथ मैं पिछले दो सालों से बैडमिंटन नहीं खेल रही हूं। मैं इस खेल में अपनी मर्जी से आई थी। मैंने अपनी मर्जी से ही इसे छोड़ा है। इसलिए अलविदा कहने की कोई ज़रूरत नहीं है, साइना ने एक पॉडकास्ट में कहा। अगर आंकड़ों को देखें तो साइना का पलड़ा सिंधु पर भारी है। दोनों चार बार एक-दूसरे के सामने आई हैं। साइना तीन बार जीती हैं। साइना ने 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। उनकी जीत भारत में महिला बैडमिंटन के विकास में एक टर्निंग पॉइंट थी। शानदार जीत के साथ भविष्य की स्टार के रूप में उभरी सिंधु ने 2016 रियो ओलंपिक में गोल्ड और फिर 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। सिंधु ने लगातार दो वर्ल्ड गेम्स में मेडल जीतकर एक अभूतपूर्व रिकॉर्ड बनाया।

हरमनप्रीत और सोफी डिवाइन ऑरेंज पर्पल कैप के लिए टॉप दावेदार

नई दिल्ली, 23 जनवरी 2026। महिला प्रीमियर लीग का चौथा सीज़न न सिर्फ़ प्ले-ऑफ़ बर्थ के बारे में है, बल्कि ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की रेस के बारे में भी है। इस सीज़न में सबसे ज़्यादा रन और विकेट लेकर मैच विनर के तौर पर कौन से स्टार्स उभरे हैं? हरमनप्रीत कौर, जिन्होंने मुंबई इंडियंस को दो बार जीत दिलाई, 240 रनों के साथ इस रेस में हैं। सोफी डिवाइन पर्पल कैप की रेस में सबसे ऊपर हैं। नंदिनी शर्मा, जिन्होंने डब्ल्यूपीएल इतिहास में चौथी हैट्रिक ली, 10 विकेट के साथ इस रेस में हैं।

हरमनप्रीत, जिन्होंने शुरुआती झटके के बाद मुंबई को जीत दिलाई, ऑरेंज कैप के लिए मुकाबला कर रही हैं। मुंबई की कप्तान, जिन्होंने छह मैचों में दो अर्धशतक बनाए हैं, 60.00 की औसत और 143.871 के स्ट्राइक रेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई फोबे लिचफील्ड, जिन्होंने वनडे वर्ल्ड कप के सेमीफ़ाइनल में भारत के खिलाफ़ शतक लगाकर कमाल किया था, सबसे ऊपर हैं। यह बल्लेबाज़, जो यूपी वॉरियर्स की जीत में अहम भूमिका निभा रही हैं, छह मैचों में 243 रनों के साथ सबसे ऊपर हैं। मुंबई इंडियंस की नेट सीवर ब्रंट 219 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दिल्ली कैपिटल्स की हिटर लिज़ेल ली तीन अर्धशतकों सहित 213 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि यूपी की कप्तान मेग लैनिंग 207 रनों के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

पर्पल कैप की रेस में.. सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ को दी जाने वाली पर्पल कैप की रेस भी ज़ोरदार है। दिल्ली कैपिटल्स की तेज़ गेंदबाज़ नंदिनी शर्मा, जिन्होंने चौथे सीज़न में हैट्रिक ली, 10 विकेट के साथ कड़ी टक्कर दे रही हैं।

स्पीति कप सीज़न 3 हिमालय में ग्रासरूट आइस हॉकी डेवलपमेंट को मजबूत करेगा

काजा, 23 जनवरी 2026। एक रिलीज़ के अनुसार, स्पीति कप का तीसरा सीज़न 7 से 11 फरवरी तक वापस आने वाला है, जो हिमालय में एक महत्वपूर्ण जमीनी स्तर की विंटर स्पोर्ट्स पहल के रूप में अपनी भूमिका को फिर से पक्का करता है। इस क्षेत्र की कड़ी सर्दी के दौरान आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट दूर-दराज के गाँवों को एक साथ लाता है, जमे हुए परिदृश्यों को भागीदारी, गौरव और सामूहिक लचीलेपन के साझा मैदानों में बदल देता है। स्पीति और पड़ोसी घाटियों में आइस हॉकी की बढ़ती लोकप्रियता के साथ, 2026 का संस्करण पैमाने और संरचना में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाता है। यह टूर्नामेंट पिछले सीज़न के 18 खेलों से बढ़कर 22 खेलों तक पहुँच गया है, जिसमें पाँच ज़ोन - सेंटर, टोड, शाम, पिन और लाहौल-की टीमें

सीनियर पुरुष, महिला और -18 लड़कों की श्रेणियों में हिस्सा लेंगी। लाहौल और स्पीति आइस हॉकी एसोसिएशन के सहयोग से, रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन द्वारा समर्थित, और स्पीति प्रशासन के साथ साझेदारी में आयोजित, स्पीति कप एक समुदाय-स्वामित्व वाली विकासात्मक प्रतियोगिता के रूप में काम करता है।

खेलों से परे, यह खिलाड़ियों, परिवारों, स्वयंसेवकों और समर्थकों को एक साथ लाता है, जो देश के सबसे चुनौतीपूर्ण वातावरण में से एक में एकता और साझा पहचान को मजबूत करता है। 2026 का संस्करण लीग फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें प्रत्येक टीम अपनी-अपनी श्रेणी में हर दूसरी टीम के साथ मुकाबला करेगी। लीग चरण के अंत में पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर रहने वाली टीम को चैंपियन घोषित किया जाएगा। पाँच दिवसीय टूर्नामेंट में सीनियर पुरुष श्रेणी में 10 खेल और महिला और -18 लड़कों की श्रेणियों में छह-छह खेल होंगे। टूर्नामेंट के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, लाहौल और शिमला के खिलाड़ी पहली बार सीनियर पुरुष श्रेणी में स्पीति कप में प्रवेश करेंगे। किन्नौर घाटी के सांगला की एक टीम भी लगातार दूसरे वर्ष भाग लेगी, जो स्पीति से परे पड़ोसी क्षेत्रों से निरंतर जुड़ाव को रेखांकित करता है।

महिला कांग्रेस कार्यकर्ता ने खुद को लगाई आग,95% झुलसी

दुर्ग,23 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में गुरुवार को महिला कांग्रेस कार्यकर्ता ने कोर्ट के आदेश पर घर खाली कराने पहुंची पुलिस और कोर्ट स्टाफ के सामने खुद पर मिट्टी तेल डालकर आग लगा ली। इस घटना में वह बुरी तरह झुलस गई। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट किया गया है। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। पीड़िता का नाम शबाना निशा उर्फ रानी (37) है। जो पचरीपारा में किराए के मकान में रहती थी। परिजनों के मुताबिक, शबाना चाहती थी कि वह जिस मकान में रह रही है, उसे जमीन मालिक बेच दे,ताकि वह वहीं रह सके। हालांकि मालिक इसके लिए राजी नहीं हुआ। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के फैसले के बाद पुलिस और कोर्ट स्टाफ घर खाली कराने पहुंचा। इस दौरान उसने सुसाइड की नीयत से खुद को आग के हवाले कर दिया। इस घटना में 95% झुलस गई। पीड़िता को रायपुर के डीकेएस अस्पताल भर्ती किया गया है। जहां की हालत गंभीर बताई जा रही है। शबाना निशा का राजनीतिक जीवन भी रहा है।

मेडिकल पीजी कोटे की संशोधित अधिसूचना जारी

काउंसिलिंग निरस्त,50प्रतिशत आल इंडिया और 50 प्रतिशत राज्य के छात्रों को मिली

रायपुर,23 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ सरकार ने हाई कोर्ट बिलासपुर के आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में शासकीय मेडिकल कॉलेजों की राज्य कोटे की 50% पीजी सीट के संबंध में राजपत्र का संशोधन प्रकाशित किया है। इसमें 50% ऑल इंडिया कोट की सीट छोड़ने के बाद शेष 50 प्रतिशत नीट पी जी की मेरिट के आधार पर छत्तीसगढ़ राज्य के मेडिकल कॉलेज से पास किए हुए छात्रों और सुदूर आदिवासी अंचलों में सेवा दे रहे अस्सिटेंट सर्जन के लिए मेरिट आधार पर दी गई है। नए प्रावधानों के तहत राज्य के प्राइवेट मेडिकल कॉलजों की 50% सीटें छत्तीसगढ़ के बाहर के छात्रों के लिए खुली रखी गई हैं और एम्स रायपुर के छात्रों को भी छत्तीसगढ़ राज्य के कोटे की सीटों से प्रवेश की पात्रता दी गई है!

मंत्री ने टीचर भर्ती पर दिया बड़ा बयान,एक ही महीने में भर्ती के साथ साथ होगी नियुक्ति

रायपुर,23 जनवरी 2026। छत्तीसगढ़ में शिक्षक भर्ती को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शिक्षक के 5000 पदों पर तत्काल भर्ती के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस भर्ती को लेकर अफसर और विभाग फरवरी तक विज्ञापन जारी करें। उन्होंने समय सीमा में नियुक्ति पूर्ण करने के भी निर्देश देते हुए कहा कि शिक्षक भर्ती-2023 की प्रतीक्षा सूची की मान्यता नहीं बढ़ेगी। वही प्रदेश के शिक्षामंत्री ने भी इस बहुप्रतीक्षित भर्ती को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि, सरकार भर्तियों को लेकर पूरी तरह से गंभीर है। उन्होंने बताया कि, अगले महीने यानी फरवरी में भर्ती परीक्षा से संबंधित विज्ञापन जारी किये जायेंगे।

धमतरी में 9 नक्सलियों का सरेंडर...

47 लाख के इनामी,इंसास,एसएलआर जैसे हथियार लेकर आए

धमतरी,23 जनवरी 2026। धमतरी में नक्सलवाद के खिलाफ जारी जंग में एक और निर्णायक जीत मिली है। धमतरी जिला अब आधिकारिक तौर पर नक्सल मुक्त घोषित कर दिया गया है। माओवादी संगठन सीतानदी एरिया कमेटी के आखिरी बचे 09 हार्डकोर नक्सलियों ने हथियार डाल दिए हैं। रायपुर रेंज के आईजी अमरेश मिश्रा के सामने इन नक्सलियों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया। ये वही नक्सली हैं जिन पर कुल 47 लाख रुपये का इनाम घोषित था। धमतरी जिला...कभी नक्सली आतंक का गढ़ माना जाता था...सीतानदी, सिहावा, नगरी के दुर्गम जंगल...जहां सुरक्षा बलों को हर कदम फूंक-फूंक कर रखना पड़ता था लेकिन लगातार चलाए गए नक्सल उन्मूलन अभियान,सुरक्षा बलों की सटीक रणनीति और सरकार की प्रभावी आत्मसमर्पण नीति का असर अब साफ दिखाई दे रहा है। सीतानदी एरिया कमेटी के आखिरी बचे 09 नक्सलियों ने आज धमतरी में पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। इनमें 7 महिला और 2 पुरुष नक्सली शामिल हैं। इन सभी पर अलग-अलग इनाम घोषित था– दो नक्सलियों पर 8-8 लाख,छह नक्सलियों पर 5-5 लाख,और एक नक्सली पर 1 लाख रुपये का इनाम यानि कुल मिलाकर 47 लाख रुपये के इनामी नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है। ये सिर्फ आत्मसमर्पण नहीं...ये नक्सलवाद की कमर टूटने का संकेत है। आत्मसमर्पण के दौरान नक्सलियों ने कई घातक हथियार भी पुलिस के हवाले किए जिनमें से 5 ऑटोमैटिक राइफल,2 एसएलआर, 2 इंसास राइफल,1 कार्बाइन, एक भरमार बंदूक और करीब 50 जिंदा कारतूस शामिल हैं। इसके साथ ही संचार के लिए इस्तेमाल किए जा रहे वॉकी-टॉकी, रेडियो और टैबलेट भी पुलिस ने जब्त किए हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में माओवादी संगठन के बड़े और सक्रिय चेहरे शामिल हैं। ज्योति उर्फ जैनी/रेखा - डीवीसीएम (टेक्निकल),सचिव,सीतानदी एरिया कमेटी-8 लाख,उषा उर्फ बल्मा-8 लाख,रामदास मरकाम - एलओएस कमांडर - 5 लाख,रोनी उर्फ उमा - एरिया कमांडर - 5 लाख ,निरंजन - एससीएम (टेक्निकल) - 5 लाख,सिंधु - एसीएम - 5 लाख,रीना - एसीएम - 5 लाख,अमिला उर्फ सन्नी - एसीएम - 5 लाख,लक्ष्मी उर्फ आरती उषा - बॉडीगार्ड - 1 लाख का इनाम था। आत्मसमर्पण करने वाले इन 09 नक्सलियों में 6 बीजापुर, 1 तेलंगाना,1 नारायणपुर, और 1 सुकमा जिले का मूल निवासी है। जो लंबे समय से धमतरी, गरियाबंद और ओडिशा के नुआपड़ा डिवीजन में सक्रिय थे और सीतानदी एरिया कमेटी की गतिविधियों को संचालित कर रहे थे। धमतरी...जहां कभी गोलियों की आवाजें गूंजती थीं...आज वहां शांति की दस्तक है धमतरी की धरती से नक्सलवाद का साया हट चुका है।

एसपी कार्यालय में हुआ आत्मसमर्पण

जानकारी के मुताबिक, यह आत्मसमर्पण धमतरी जिले के एसपी कार्यालय में हुआ। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली नगरी एरिया कमेटी, सीतानदी एरिया कमेटी, मैनपुर एलजीएस और गोबरा एलओएस में एक्टिव थे। इसके अलावा बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, धमतरी और गरियाबंद जिलों में कई नक्सल वारदातों में शामिल रहे हैं।

आईजी बोले- सरकार की पुनर्वास नीति से लौट रहे मुख्यधारा में...

आईजी अमरेश मिश्रा ने कहा कि राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति का सकारात्मक असर दिख रहा है। नक्सली संगठन छोड़कर मुख्यधारा में लौट रहे हैं। आने वाले समय में भी इस तरह के आत्मसमर्पण की संभावना है।

सारंगढ़ थाने के सामने तहसीलदार बैठे अनशन पर,कलेक्टर के गनमैन पर है मारपीट का आरोप,आनन-फानन में आधी रात को लिखी गई एफआईआर

सारंगढ़,23 जनवरी 2026। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कोतवाली थाने के सामने तहसीलदार आमरण-अनशन पर बैठ गये। दरअसल कोरबा में पदस्थ तहसीलदार के बेटे के साथ कलेक्टर के गनमैन ने मारपीट की थी। इस घटना के बाद पीड़ित युवक ने कोतवाली थाने में शिकायत की,लेकिन घटना के 48 घंटे बाद भी एफआईआर दर्ज नही होने से दुःखी तहसीलदार खुद ही थाने के सामने धरने पर बैठ गये। इससे हरकत में आई पुलिस ने आनन-फानन में एफआईआर दर्ज की,जिसके बाद धरना समाप्त हो गया।

आर्मी से रिटायर्ड हैं तहसीलदार भगत : टीआरपी न्यूज से अपनी तकलीफ साझा करते हुए बंदेराम भगत ने बताया कि वे सेना से रिटायर्ड जवान हैं और उसके बाद वे राज्य में प्रशासनिक अधिकारी बने। यह पूरा मामला सारंगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र का है। वर्तमान में बंदेराम भगत कोरबा के दीपका में तहसीलदार के पद पर पदस्थ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि 20 जनवरी को उनका बेटा राहुल भगत अपनी स्कूटी से आ रहा था। इसी दौरान सड़क पर कुछ अवरोध पैदा हुआ । यहां खड़े कलेक्टर के गनमैन ने मामूली नोंक-झोंक के बाद राहुल की पिटाई कर दी। इस दौरान जब राहुल यहां से जमीन पर गिरे मोबाईल को उठाने लगा, तब गनमैन ने दोबारा उस पर हमला कर दिया और अपने जूते से जमीन पर गिर पड़े राहुल के कान को कुचलने लगा। इस घटना के बाद राहुल भगत ने कोतवाली थाना पहुंचकर पूरे मामले की लिखित शिकायत की ।

कान का पर्दा फटा : मारपीट में घायल राहुल भगत की सारंगढ़ में मेडिकल जांच की गई और उसे रायगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। यहां डॉक्टर ने बताया कि राहुल के कान के पर्दे को नुकसान पहुंचा है। भगत ने आरोप लगाया कि शिकायत दिए जाने के 48 घंटे बाद भी पुलिस ने न तो एफआईआर दर्ज किया और न ही किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई की,जबकि उन्होंने कार्रवाई के लिए एसपी से भी मुलाकात की, एसपी ने उल्टे इस मामले में राहुल को दोषी ठहराया। पुलिस की इस निष्क्रियता से आहत होकर तहसीलदार बंदेराम भगत ने कल स्वयं कोतवाली के सामने धरना शुरू कर दिया। तहसीलदार ने कहा कि जब एक जिम्मेदार अधिकारी और उसके परिवार को न्याय के लिए सड़क पर बैठना पड़ रहा है,तो आम जनता की स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

निपटाने की धमकी मिल रही कथावाचक युवराज पांडे को

रायपुर,23 जनवरी 2026। मशहूर कथावाचक युवराज पांडे इन दिनों बेहद सुर्खियों में हैं। उनका वीडियो यूट्यूब और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होता है। कथावाचक युवराज पांडे का एक और वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने छत्तीसगढ़िया होने का दर्द बयां किया। दर्द बयां करते हुए उन्होंने 'बस गलती इतनी है कि हम छत्तीसगढ़िया हैं।' साथ ही उन्होंने प्रशासन से सवाल पूछते हुए कहा कि 'कोई टारगेट है क्या कि महाराज को निपटाना है।' दरअसल कथावाचक युवराज का ये वीडियो कथा के दौरान का है, जिसमें वो कहते नजर आ रहे हैं कि बड़े दुख की बात है... इतनी भीड़ है, इतनी पब्लिक है लेकिन सुरक्षा करने के लिए दो पुलिसकर्मी भी नहीं खड़े हैं। ये दुर्भाग्य की बात है...इतनी भीड़ प्रशासन को नहीं दिख रही है। उन्होंने आगे कहा कि शुरू दिन कलश यात्रा के दौरान कई लोगों की माला चोरी हो गई, जिसके बाद कई भक्त को कथा सुनने भी नहीं आए। इतनी भीड़, जनसैलाब के बाद भी एक सुरक्षाकर्मी नहीं है।

विशेष काव्य-पाठ

महिला साहित्यकारों के विशेष काव्य-पाठ सहित सुरजीत नवदीप मंडप में गूंजा साहित्य, 90 से अधिक रचनाकारों की सहभागिता

ओपन माइक

सुर, शब्द और संवेदना का उत्सव

स्वाद और संस्कृति का संगम

छत्तीसगढ़ी व्यंजनों से महक उठा साहित्य

नाटक 'चाणक्य' का मंचन

नाटक 'चाणक्य' का भव्य एवं प्रभावशाली मंचन

शिल्प साधना

आभूषण, हस्तकला और परंपरा ने रचा वैभव

रायपुर साहित्य उत्सव
आदि से अनादि तक
23-25 जनवरी 2026
नवा रायपुर, छत्तीसगढ़

शब्द, संवेदना और संस्कार का महासंगम

"सुरसरि सम सब कहँ हित होई"

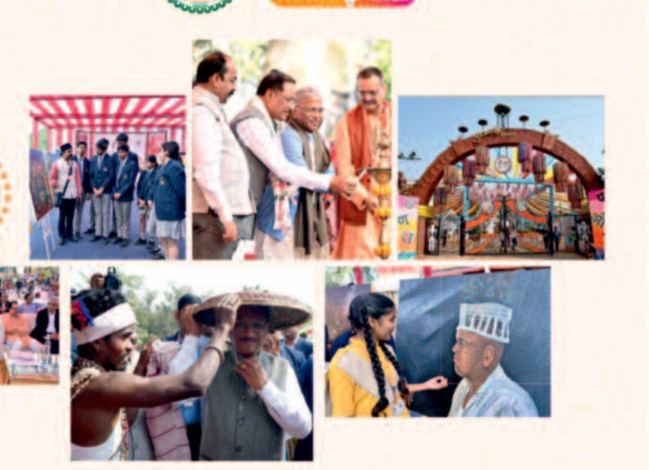

23-25 जनवरी 2026
पुरखौती मुक्तांगन, नवा रायपुर

- 120 से अधिक ख्यातिप्राप्त साहित्यकारों की सहभागिता
- 42 साहित्यिक सत्र - विचार, विमर्श और संवाद
- 10 हजार से अधिक पंजीकरण

उत्सव के मुख्य आकर्षण

- साहित्यिक संवाद
- पुरखा के सुरता
- रजत प्रवाह
- नाटक 'चाणक्य' का मंचन
- राष्ट्रीय पुस्तक मेला
- कवि सम्मेलन
- युवाओं के लिए ओपन माइक
- छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां
- चित्रकला व कार्टून प्रतियोगिता

रामचरितमानस के बालकाण्ड की यह अमर चौपाई जिस लोक-मंगलकारी भावना को रेखांकित करती है, उसी कल्याणकारी चेतना को आत्मसात किए रायपुर की पावन धरा पर साहित्य उत्सव **'आदि से अनादि तक'** का भव्य शंखनाद हुआ है। यह आयोजन संवेदना और संस्कार की उस अविरल धारा का अर्पण है, जो गंगा की पवित्र सरिता की भाँति मानवता के अभ्युदय के लिए युगों-युगों से प्रवाहित हो रही है।

नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में आयोजित उद्घाटन समारोह ने इस उत्सव को वैचारिक ऊँचाई प्रदान की। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, राज्यगीत और साहित्य उत्सव गीत से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को संस्कार और संवेदना से आलोकित कर दिया। उपमुख्यमंत्री अरुण साव, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा और सुप्रसिद्ध रंगकर्मी मनोज जोशी की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा, वरिष्ठ पत्रकार अनंत विजय, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की सहभागिता ने इसे एक स्मरणीय सांस्कृतिक क्षण बना दिया।

विमोचन और वैचारिक समृद्धि

इस अवसर पर अतिथियों के करकमलों से छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आधारित पुस्तिका, एक कॉफी टेबल बुक, छत्तीसगढ़ राज्य के साहित्यकारों पर केंद्रित प्रकाशन, जे. नंदकुमार की नेशनल सेल्फहुड इन साइंस, प्रो. अंशु जोशी की लाल दीवारें, सफेद झूठ तथा राजीव रंजन प्रसाद की तेरा राज नहीं आएगा रे का विमोचन किया गया। यह क्षण राज्य की साहित्यिक यात्रा और समकालीन रचनात्मकता दोनों का उत्सव बन गया।

साहित्य का महाकुंभ

प्रभु श्रीराम का ननिहाल छत्तीसगढ़ है और इस पावन भूमि पर रायपुर साहित्य उत्सव का आयोजन हम सभी के लिए गर्व का विषय है। देशभर से आए साहित्यकारों और साहित्य-प्रेमियों का स्वागत है। यह उत्सव साहित्य का एक महाकुंभ है। उत्सव के मंडप विनोद कुमार शुक्ल, श्यामलाल चतुर्वेदी, लाला जगदलपुरी और अनिरुद्ध नीरव जैसे महान साहित्यकारों को समर्पित हैं—जिन्होंने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और साहित्य को नई पहचान दी। कविता अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध सिखाती है—यही साहित्य की वास्तविक शक्ति है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की "हार नहीं मानूंगा" जैसी पंक्तियाँ आज भी जनमानस को संबल देती हैं।

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री

साहित्य समाज को दिशा देता है

छत्तीसगढ़ी साहित्य की समृद्ध और प्राचीन परंपरा रही है, जिसने अपनी स्थानीय संस्कृति को दृढ़ता से संजोया है। एक पुस्तक और एक लेखक भी दुनिया को बदलने की शक्ति रखते हैं। साहित्य समाज को दिशा देता है, आशा जगाता है और निराशा से उबारकर जीवन जीने का साहस प्रदान करता है। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी है—स्टील, चावल उत्पादन और स्टार्टअप्स में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। इस राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के पीछे साहित्य की सशक्त भूमिका रही है, जिसने समाज की चेतना को निरंतर जाग्रत रखा।

श्री हरिवंश
माननीय उपसभापति

साहित्य को नई ऊर्जा

यह आयोजन साहित्य का महाकुंभ है, जो 12 वर्षों बाद पुनः आयोजित हुआ है। उस समय भी मैंने इसमें भाग लिया था और आज 2026 में फिर से सहभागी बना हूँ। इस प्रकार के आयोजन हमें नई ऊर्जा और प्रेरणा देते हैं। ऐसे आयोजन बार-बार होते रहें और इनका विस्तार हर जगह हो, ताकि बस्तर संभाग सहित सभी क्षेत्रों के लोग इससे जुड़ सकें।

शिव कुमार पांडेय
बस्तर के कहानी-किस्सों के लेखक

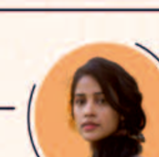

साहित्य सबका अधिकार है

हर साहित्य उत्सव के बाहर यह लिखा होना चाहिए कि "आप अंदर आइए।" ऐसा इसलिए, क्योंकि साहित्य जीवन की अभिव्यक्ति का उत्सव है और साहित्य सबका अधिकार है। लोगों को पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। पढ़ना मसल फ्लेक्स करने जैसा है—जितना अभ्यास, उतनी मजबूती। इस तरह के आयोजन पाठकों को किताबों से जोड़ने का प्रयास है

टीजे भानु
अभिनेत्री

"संस्कृति का संस्कार रूप साहित्य अमर है" उत्सव का यही स्वर रायपुर की फ़िज़ाओं में गूंज रहा है।

संवाद 46651/43

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)